संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 21 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 51 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

राष्ट्रपति द्रौपदी पोर्ट ब्लयेर में ऐतिहासिक जेल का दौरा करती हुई।

इन्वेस्टर्स को भी निवेश पब्लिक फ्रेंडली बनाएं: सीएम योगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में अशोक लीलेंड की इलेक्ट्रिक वाहन फैक्ट्री के भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने कहा कि हिंदुजा ग्रुप के प्रकाश जी और अशोक जी ने अभी मुझे डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी सौंपी है। चाहूंगा कि सिर्फ चाभी नहीं, बल्कि जल्दी से जल्दी वो यहां अपना प्रोडक्शन शुरू करें। उत्तर प्रदेश का बाजार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत का बाजार उनका इंतजार कर रहा है। इससे पूर्व सीएम योगी को हिंदुजा ग्रुप की तरफ से डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की चाभी और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने प्लांट में इलेक्ट्रिक बसों का अवलोकन भी किया और उनके फीचर्स के बारे में भी जानकारी ली। हिंदुजा ग्रुप के अधिकारियों ने उन्हें ई व्हीकल्स की विशेषताओं से परिचित कराया। सीएम योगी ने हिंदुजा ग्रुप के प्रमुख लोगों और अधिकारियों के साथ मंत्रणा भी की।

इन्वेस्टर्स भी लें इनीशिएटिव: सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट अशोका लीलेंड के माध्यम से स्थापित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए हिंदुजा ग्रुप, अशोका लीलेंड को शुभकामनाएं देता हूं। उत्तर प्रदेश में हम जैसे इन्वेस्टर फ्रेंडली पॉलिसी लेकर आते हैं। वैसे ही इन्वेस्टर्स को भी अपने निवेश को पब्लिक फ्रेंडली बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक लाख स्कूली बस हैं हमारे पास, ये सब रिप्लेस हो जाएंगी इलेक्ट्रिक बसों में बशर्ते इस दिशा में हम लोगों ने थोड़ा भी इनीशिएटिव लिया तो।

उत्तर प्रदेश में एक लाख 5 हजार से अधिक राजस्व गांव हैं और दो लाख से अधिक मजरे हैं। अगर इन एक लाख गांवों को हमें शहरों से जोड़ना होगा तो भी सस्ती सेवा के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा सस्ती और लोकप्रिय माध्यम बन सकती है। इसमें हम अपने तमाम युवाओं को इस सर्विस के साथ जोड़ सकते हैं। यहां पर भी हिंदुजा ग्रुप भी कुछ इनीशिएटिव ले और स्टेट गवर्नमेंट भी इसको आगे बढ़ाए।

बिहार, मध्यप्रदेश और नेपाल तक यूपी का बाजार: सीएम योगी ने कहा कि एक-एक गांव को जोड़ने के लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। उत्तर प्रदेश के अंदर गांव को शहर से जोड़ने के लिए प्रयास करना होगा। गांव का प्रोडक्ट शहर में आए, इसके लिए माल ढोने वाले छोटे ट्रक का उपयोग किया जा सकता है। फिर चीनी प्लांट के रूप में हम लोग दूध को दुग्ध समितियों के साथ जोड़कर सिटी में लाने में योगदान दे सकेंगे तो यह बहुत बड़ा मार्केट आपको अकेले यूपी में मिलेगा। यूपी का मतलब यूपी नहीं है,यूपी का मतलब बिहार भी, मध्यप्रदेश भी और नेपाल भी, यूपी के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ा हुआ है। ये सभी राज्य इस सुविधा का लाभ लेंगे।

आदर्श विचार

गलतियां ढूंढना गलत नही है बस शुरूआत खुद से होनी चाहिए।

भागवद्

मन की बात

ब्रह्मांड की सभी शक्तियां हमारे अंदर हैं।

स्वामी विवेकानंद

चंडीगढ़: 'इंडिया' उम्मीदवार बना मेयर

सुप्रीम कोर्ट ने आप-कांग्रेस कैंडिडेट को चंडीगढ़ मेयर घोषित किया, चुनाव अधिकारी अनिल मसीह को नोटिस

ऐतिहासिक

8 आप-कांग्रेस गठबंधन के पराजित उम्मीदवार कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ का नया महापौर घोषित कर दिया

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव के रिजल्ट को पलट दिया। कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप)-कांग्रेस गठबंधन के पराजित उम्मीदवार कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ का नया महापौर घोषित कर दिया। मेयर चुनाव में हार के बाद 30 जनवरी को फूट-फूटकर रोने वाले कुलदीप कुमार के चेहरे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के 21 दिन बाद फिर से मुस्कान लौटी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से आप पार्षद कुलदीप कुमार को विजेता होने और चंडीगढ़ का महापौर घोषित किए जाने के बीच बड़ी लड़ाई लड़ी गई। सुप्रीम कोर्ट ने आप पार्षद कुलदीप कुमार को विजेता और चंडीगढ़ का महापौर घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी के चुनाव के संचालन में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया। अनिल मसीह बीजेपी नेता भी हैं। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि वह पूरी चुनावी प्रक्रिया को रद्द नहीं कर रही है और खुद को मतगणना प्रक्रिया में गलत कार्यों से निपटने तक ही सीमित रख रही है। जिसके कारण कुमार के पक्ष में डाले गए आठ मत अमान्य हो गए थे। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह साफ है कि मसीह ने जानबूझकर आठ मतपत्रों को विरूपित करने का प्रयास किया।

हम लोग ये जीत छीनकर लाए हैं: केजरीवाल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, "हम सबने देखा कि किस तरह चंडीगढ़ के चुनाव में 20 वोट इंडिया गठबंधन के थे और 16 वोट भाजपा के थे। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को हारा हुआ घोषित कर दिया गया। भारतीय के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। हम सुप्रीम कोर्ट का बहुत धन्यवाद करते हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा, देश में जिस तरह के हालात हैं, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला जनतंत्र के लिए बहुत अहम है।

सुप्रीम कोर्ट में 19 फरवरी को चंडीगढ़ मेयर चुनाव केस में सुनवाई होनी थी। इसके पहले 18 फरवरी की शाम में बीजेपी के नवनिर्वाचित मेयर मनोज सोनकर ने पद से इस्तीफा दे दिया। इस बीच आप के तीन पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए।

पीएम मोदी ने जम्मू में एम्स-आईआईटी का उद्घाटन किया

विकास कार्य

8 पहले जम्मू-कश्मीर से आतंक-अलगाव की खबरें आती थीं, अब विकास हो रहा: पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (20 फरवरी) जम्मू दौरे पर हैं। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया। खास बात यह है कि 2019 में इसकी आधारशिला भी पीएम मोदी ने ही रखी थी। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम२) का भी उद्घाटन किया। मोदी ने जम्मू में करीब 32 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। वहीं, प्रधानमंत्री ने जम्मू एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन और 'कॉमन यूजर फैसिलिटी' पेट्रोलियम डिपो की आधारशिला भी रखी। मोदी ने कहा कि पहले जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद, अलगाववाद की आवाजें उठती थीं, अब यहां हर सेक्टर में विकास हो रहा है। राज्य में अब 12 मेडिकल कॉलेज हैं। घाटी ट्रेन से जुड़ चुकी है। जम्मू-कश्मीर देश का ऐसा राज्य है, जहां दो एम्स बन रहे हैं। मोदी के भाषण के दौरान सभा में कोई बच्ची रो रही थी। पीएम ने कहा, उसे परेशान मत कीजिए। कितनी प्यारी बच्ची है। मेरे पास होती तो बहुत आशीर्वाद देता। आप लोग विपरीत मौसम में यहां बैठे हैं, ये काबिले तारीफ है।

कश्मीर के लोग जल्द ही ट्रेन से पूरे देश के सफर पर निकलेंगे: मोदी ने कहा- पहले भारत के एक हिस्से में काम होता था और जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिलता नहीं था या बहुत देर से मिलता था। आज जम्मू एयरपोर्ट के विस्तार काम हो रहा है।

कश्मीर को कन्याकुमारी से रेल से जोड़ने का काम और तेजी से बढ़ा है। वो दिन दूर नहीं, जब कश्मीर से ट्रेन में बैठकर लोग पूरे देश के सफर पर निकल पाएंगे।

तीसरी आंख

जीबीसी 4.0 : 34 लाख रोजगार, संभावनाएं अपार

निवेश

8 पश्चिमांचल तक और मध्यांचल से लेकर बुंदेलखंड तक युवाओं के लिए रोजगार की कमी नहीं होगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

योगी सरकार जीबीसी 4.0 के माध्यम से यूपी को देश का ग्रोथ इंजन बनाने जा रही है। इसमें 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश के जरिये 14 हजार परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी। इससे न सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में भटकना नहीं पड़ेगा। योगी सरकार इन निवेश परियोजनाओं के जरिये प्रदेश में 34 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी और रोजगार के साधन उपलब्ध कराने जा रही है। यह नौकरियां विभिन्न सेक्टर्स में प्राप्त होंगी। इसमें ट्रेंड, अनट्रेंड सभी तरह के युवाओं के लिए अवसर उपलब्ध होंगे। पूर्वांचल से लेकर पश्चिमांचल तक और मध्यांचल से लेकर बुंदेलखंड तक युवाओं के लिए रोजगार की कमी नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध कराने को लगातार प्रयास कर रही है। इस क्रम में जीबीसी 4.0 मील का पत्थर साबित होगी। योगी सरकार ने जीबीसी 4.0 में जिन 14 हजार परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। इनमें सबसे अधिक 52 प्रतिशत परियोजनाएं पश्चिमांचल, 29 प्रतिशत पूर्वांचल, 14 प्रतिशत मध्यांचल और 5 प्रतिशत बुंदेलखंड में धरातल पर उतरेंगी। जाहिर है।

नीतीश कुमार की 'रडार' पर केके पाठक

टीम एक्शन इंडिया/पटना

बिहार में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अपने विवादास्पद फैसलों और फरमानों के लिए बदनाम हो गए हैं। हालांकि उनकी सख्ती से शिक्षा व्यवस्था के पटरी पर लौटने की तारीफ भी होती रही है। कई बार तो उनके फैसलों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हस्तक्षेप करना पड़ा है। कभी शिक्षकों की छुट्टियां रद्द कर देते हैं तो कभी रविवार की छुट्टी के दिन भी शिक्षकों को स्कूल आने का फरमान जारी कर देते हैं। शिक्षकों का वर्किंग टाइम अब उनके निशाने पर है। हालांकि उन्हें इस मामले में तब मुंह की खानी पड़ी, जब सीएम नीतीश कुमार ने ही उनके निर्णय को गलत बता दिया।

केके पाठक का फरमान: बिहार विधानसभा मंगलवार को केके पाठक के उस फरमान की गूंज सुनाई पड़ी, जिसमें उन्होंने शिक्षकों को स्कूल खोलने की टाइमिंग सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कर दी थी। विपक्ष ने इस मुद्दे पर खूब हंगामा मचाया। विपक्षी सदस्य न सिर्फ इस फरमान को वापस लेने की मांग कर रहे थे, बल्कि केके पाठक को शिक्षा विभाग से हटाने का दबाव भी बनाने लगे। आखिरकार मुख्यमंत्री को बोलना पड़ा। सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया कि पाठक ने जो टाइमिंग तय की है, वह गलत है।

'इंडिया गठबंधन सरकार पर्यावरण की करेगी रक्षा'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के वन परिभाषा आदेश की सराहना करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन सरकार पर्यावरण की रक्षा करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 'चुनावी बांड घोटाले' के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार की 'घोर अवैध और विनाशकारी' योजनाओं को रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि शब्दकोष में 'जंगल' का अर्थ लागू किया जाए।

घोषणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने प्रदेश चुनाव समिति की घोषणा की

भूपेंद्र यादव को हरियाणा चुनाव समिति में मिली जगह

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश चुनाव समिति की घोषणा कर दी है। इसमें नायब सैनी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को भी शामिल किया गया है। इससे भूपेंद्र यादव की हरियाणा के भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। यह पहला मौका है जब भूपेंद्र यादव को हरियाणा के किसी संगठन में इतना अहम पद दिया गया है। इस समिति में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह सहित 18 नेता शामिल किए गए हैं लेकिन कार्यकारिणी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सहित मौजूदा केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को शामिल नहीं किया गया है। समिति में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, गृह मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, रामबिलास शर्मा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बड़ौली सहित महिला मोर्चो की अध्यक्ष ऊषा प्रियदर्शी को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और राष्ट्रीय सचिव सहित प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर को विशेष आमंत्रित रूप में रखा गया है।

जिम्मेवारी

8 भूपेंद्र यादव की हरियाणा के भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

राज्यों की विविधता भारत की ताकत और विशेषता है : राज्यपाल

स्थापना दिवस

8 --राजभवन में अरुणाचल और मिजोरम राज्य का मनाया गया स्थापना दिवस

देहरादून, 20 फरवरी (हि.स.)। राजभवन में मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दोनों राज्यों के उत्तराखंड में रह रहे छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर राज्यपाल ने कहा कि राज्यों की विविधता भारत की ताकत हैं और तमाम विविधताओं के बावजूद भी हम सब एक हैं, यही भारत की विशेषता है।

इस मौके पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उपस्थित सभी लोगों को पूरे प्रदेश की ओर से स्थापना दिवस की बधाई दी। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि कई वर्षों तक मैंने इन राज्यों में अपनी सैन्य सेवाएं दी हैं। इसलिए मैं इन दोनों प्रदेशों की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य से भलीभांति परिचित हूं।राज्यपाल ने कहा कि ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न की इस अनूठी पहल हमारे विविध राज्यों की परस्पर परंपराओं, प्रथाओं, संस्कृति और ज्ञान की समझ को बढ़ाते हुए देश की एकता और अखंडता को मजबूत करती है। हम सभी मिलकर ह्यराष्ट्रप्रथमह्न के मूलमंत्र से ही देश को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, सशक्त भारत के लिए प्रत्येक व्यक्ति और राज्य का योगदान जरूरी है। आप जो इस अमृतकाल की अमृत पीढ़ी हैं, आपके कठोर परिश्रम, साधना और सामर्थ्य से देश विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के माध्यम से राज्यों के लोगों से परस्पर परिचय, प्रवासी लोगों के बीच संवाद, एकता की भावना, राज्यों की विविध परंपराएं, कला, संस्कृति, वेशभूषा और खान-पान की शैली का भी आदान-प्रदान होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य की एक विशिष्ट पहचान है, राज्यों की विविधता भारत की ताकत हैं।

इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के छात्र-छात्राओं ने सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंडी फिल्म में नजर आएंगे बालीवुड और टीवी कलाकार किरण कुमार: शाहबाज

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

हिन्दी सिनेमा से लेकर टीवी की दुनिया में किरण कुमार ने अपने अभिनय की धाक जमाई है। तेजाब फिल्म के लोटिया पठान को भला कोई कैसे भूल सकता है। दूसरी तरफ, शाहबाज खान को हिट टीवी सीरियल चंद्रकांता में राजा वीरेंद्र सिंह के किरदार ने पूरे देश में पहचान दिलाई।

इसके बाद हिन्दी फिल्मों में हीरो से लेकर विलेन तक का उनका सफर सभी का बहुत ही जाना-पहचाना है। बॉलीवुड की ये दो हस्तियां अब उत्तराखंडी गढ़वाली फिल्म अपणु गौं अपणु घौर में दिखेंगी। यह फिल्म मार्च माह में रिलीज के लिए तैयार है।

उत्तराखंड के सिनेमाई इतिहास में यह पहला मौका होगा, जबकि बॉलीवुड के दो कलाकार किसी फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। दरअसल, इस जोड़ी को इस फिल्म से जोड़ने का श्रेय निर्देशक यतेंद्र रावत बबलू को है, जिनके साथ इन दोनों अभिनेताओं के बहुत पुराने रिश्ते हैं। यतेंद्र रावत बबलू कई वर्षों तक बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक अशोक गायकवाड़ के असिस्टेंट रहे हैं। वर्ष 1996 से उन्होंने स्वतंत्र रूप से फिल्मों में निर्देशन का कार्य शुरू किया है। रावत ने इन दोनों कलाकारों से उत्तराखंडी फिल्मों में काम करने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। उत्तराखंडी सिनेमा के दर्शकों के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं की, बॉलीवुड के ये दो धुरंधर कलाकार गढ़वाली में बोलते और गाना गाते हुए दिखाई देंगे।

फिल्म निर्देशक यतेंद्र रावत बबलू ने हिन्दुस्थान समाचार को दिए साक्षात्कार में बताया कि फिल्म पलायन की चिंता और विकास की संभावना से जुड़ी है, जिसमें दो दोस्तों के रिश्ते और एक प्रेम कहानी शामिल है। रावत के अनुसार, किरण कुमार हिन्दी फिल्मों के अलावा तमाम आंचलिक फिल्मों में काम कर चुके हैं। 72 वर्ष की उम्र के बावजूद सीखने की उनमें गजब की ललक है।

न्यूज फ्लैश

विश्वविद्यालय पहुंचने पर टीम के खिलाड़ियों का किया स्वागत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

चरित्र की ऊंचाई एवं अनुशासित व्यवहार गुरुकुल का बोध वाक्य है। स्वामी श्रद्धानंद के कुलपुत्र देश-दुनिया में गुरुकुलीय संस्कृति के ध्वज वाहक हैं, जिसके आधार पर इस संस्थान की बुनियाद स्थिर है। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमदेव शतान्शु ने उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान प्राप्त कर लौटी विजेता टीम के आज आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर खिलाड़ियों से कही।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा सुन्दरनगर, मंडी में आयोजित इस चैम्पियशिप में प्रतिभाग करते हुए गुरुकुल कांगड़ी की क्रिकेट टीम ने तीसरे स्थान की ट्राफी एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।

सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने खिलाड़ियों के परिश्रम एवं उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डीन, योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय प्रो. सुरेन्द्र कुमार एवं चयन समिति के अध्यक्ष प्रो. कर्मजीत भाटिया ने कहा कि उपलब्धि के लिए खिलाडी को तपकर कुंदन बनना पड़ता है। इसमें गुरुकुल का शिक्षा प्रणाली एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग डॉत्र शिवकुमार चौहान ने किया। टीम की प्रगति एवं आयोजक विश्वविद्यालय हिमाचल द्वारा टीम की फीडबैक में गुरुकुल टीम के अनुशासन एवं व्यवहार की प्रशंसा की जानकारी दी।

इस अवसर पर डॉ. नितिन काम्बोज, डॉ. अजेन्द्र कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र बालियान, प्रमोद कुमार, रजनीश भारद्वाज, डॉ. पंकज कौशिक, टीम कोच अश्वनी कुमार, कुलभूषण शर्मा, हेमन्त नेगी, अर्जुन सिंह, राजकुमार, खेम सिंह थापा, रामअजोर अदि उपस्थित रहे। सम्मान समारोह मे खिलाडियों को स्मृति-चिन्ह तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आठ लोगों ने बनाया नाबालिग को अपनी हवस का शिकार, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव में नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जहां पीड़िता ने एक परिवार के आठ लोगों पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि उसकी भतीजी बीती 13 फरवरी को अपने मामा के घर से कोतवाली क्षेत्र के रुड़की स्थित अपने गांव में पहुंची और डरी सहमी सी रहने लगी। जब उन्होंने उससे कारण पूछा तो उसने बताया कि मामा के परिवार के आठ लोग पिछले पांच महीने से उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करते चले आ रहे हैं।

आरोप है कि इस बीच उन्होंने उसे गर्भवती होने पर गर्भपात करने की दवा खिलाकर गर्भपात भी करा दिया था। उन्होंने घटना का जिक्र करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। घटना के बाद आरोपित उसे रुड़की छोड़ आए। इसका पता चलने पर युवती के चाचा युवती को साथ लेकर लक्सर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने आठ आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामले में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

उद्योगपतियों को लाभ दिलाने के लिए भाजपा जनता पर महंगाई का बोझ लाद रही है: ज्योति रौतेला

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि भाजपा उद्योगपतियों को लाभान्वित कराने के लिए आम जनता पर महंगाई का बोझ लाद रही है। जनता से भाजपा को कोई लेना देना नहीं है।

कांग्रेस भवन में मंगलवार को मीडिया से बातचीत में रौतेला ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि आज बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान हो चुका है। केंद्र सरकार जिस तरह से महंगाई का अतिरिक्त बोझ जनता पर थोपने का काम कर रही है, उसका परिणाम भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा।साथ ही कहा कि हम जन-जन तक पहुंच कर भजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाकर जनता को जागरूक करेंगे।

गोखार्ली सभा ने किया सेना के परिवार के उत्पीड़न का विरोध

विचाराधीन

8 जगराज सिंह मान और थापा परिवार के बीच न्यायालय में मुकद्दमा विचाराधीन है

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

गोखार्ली सुधार सभा ने कुवांवाला में बासु थापा सैनिक के परिवार के साथ पुलिस द्वारा किए गये उत्पीड़न का विरोध किया है।

देहरादून प्रेस क्लब में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बासु थापा ने कहा कि उनके पुलिस ने उत्पीड़न किया है। उनके बूढे माता पिता और परिवारजनों को गाली गलौच कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जगराज सिंह मान और थापा परिवार के बीच न्यायालय में मुकद्दमा विचाराधीन है,लेकिन न्यायालय का फैसला आने से पूर्व ही उत्पीड़न की कार्रवाई की गयी।बासु थापा भारतीय सेना में कार्यरत हैं।गोखार्ली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा ने कहा आज हमारे गोर्खा सैनिक परिवार पर जिस तरह की ये कार्रवाई की है। सुधार सभा इसकी भर्त्सना करती है।साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की है कि इस खबर का संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पत्रकार वार्ता में गोखार्ली सुधार सभा के समस्त पदाधिकारीगण एवं मीडिया प्रभारी प्रभा मौजूद रहीं।

दुर्घटनाएं न हो यह आवश्यक: शैलेश तिवारी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

परिवहन विभाग का प्रयास रहता है कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ वाहन संबंधी असुविधाओं को कम किया जाए ताकि दुर्घटनाएं न हों। यह कहना है कि आरटीओ प्रवर्तन शैलेश तिवारी का।

आरटीओ प्रवर्तन तिवारी ने मंगलवार को बताया कि वाहन दुर्घटनाओं के क्रम में गत वर्ष लगभग 1600 से ज्यादा दुर्घटनाएं प्रदेश में देखने को मिलीं। साथ ही साथ सड़क दुर्घटनाओं के कारण 1000 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा बैठे।

यह स्थिति न तो आम जनता के लिए उचित है और न ही कल्याणकारी शासन के लिए। आरटीओ का हमेशा प्रयास रहता है कि वाहन नियमों कानूनों का पालन करते हुए संचालित कराए जाएं ताकि दुर्घटनाएं न हो।

आरटीओ प्रवर्तन ने कहा कि आरटीओ विभाग की हमेशा कोशिश रहती है कि प्रदेश में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके,इसके लिए आरटीओ विभाग लगातार समय-समय पर चेकिंग अभियान भी चलता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके की तमाम वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं,साथ ही अनियमितताएं पाए जाने पर वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है।

काठगोदाम-अमृतसर के बीच ट्रेन संचालन को मंजूरी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

रेल मंत्रालय ने काठगोदाम रेलवे स्टेशन से अमृतसर जंक्शन के लिए ट्रेन संचालन को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस रेल के चलने से यात्रियों को काफी सहूलियत होगी।

मुख्यमंत्री धामी ने विगत 2 दिसंबर 2023 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर काठगोदाम से अमृतसर के मध्य सीधी रेल सेवा के संचालन का अनुरोध किया था।

पुलिस ने दो शातिर चोरो को धर दबोचा, कार और 17 चोरी के मोबाइल बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने दुकानदार की मदद से दो शातिर चोरों को गल्ले नगदी चोरी करते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चोरी की कार व अलग-अलग कम्पनियों के 17 मोबाइल बरामद किए हैं।

शिवम पुत्र राजकुमार निवासी शिवलोक कॉलोनी रानीपुर ने कोतवाली ज्वालापुर पर पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उसकी महादेव कम्युनिकेशन के नाम से रानीपुर मोड़ पर दुकान है। दो व्यक्ति मोबाइल देखने के बहाने दुकान के गल्ले से पैसा चोरी करने का प्रयास कर रहे थे, जिन्हें उन्होंने मौके पर पकड़ लिया है।

सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने मोबाइल देखने के बहाने दुकान के गल्ले से पैसे निकालने की बात कबूली। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने कार संख्या एचआर 22 एम 8051 में अलग-अलग कंपनी के 17 मोबाइल रखे होने की बात कही।पुलिस ने कार से कार समेत सभी 17 मोबाइलों को कब्जे में लेते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम व पते मोहित पुत्र सुरेश कुमार व नितिन पुत्र बलजीत निवासीगण आजादगढ़ अर्बन एस्टेट रोहतक हरियाणा बताए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

शराब पिलाने वाले ढाबा स्वामी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पव्वे बरामद

8 इस दौरान पुलिस को डिस्पोजल गिलास, खाली शराब पव्वे व अंग्रेजी शराब के पव्वे बरामद हुए।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने होटल, ढ़ाबों पर चेकिंग अभियान चलाकर वहां शराब पिलाने के आरोप में एक ढाबा स्वामी को गिरफ्तार किया है।

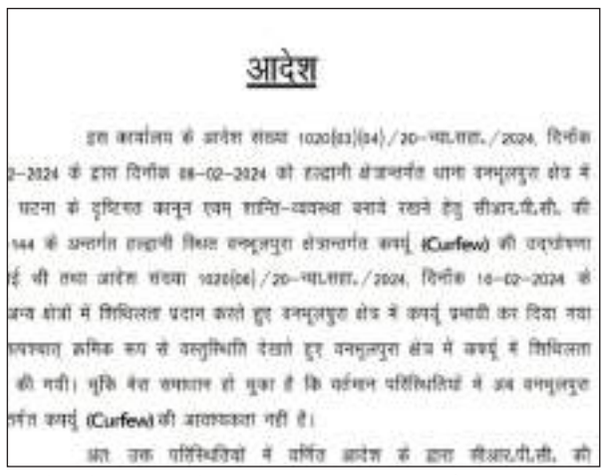

ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार द्वारा क्षेत्र में टीमें बनाकर होटल, ढाबों में शराब पिलाने वालों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने सुभाष नगर निकट पीएसी गेट के पास देवभूमि रसोई ढाबे पर चैकिंग की कार्यवाही की। इस दौरान पुलिस को डिस्पोजल गिलास, खाली शराब पव्वे व अंग्रेजी शराब के पव्वे बरामद हुए। शराब पिलाने के आरोप में पुलिस ने होटल स्वामी प्रेम सिंह गुसाईं पुत्र गब्बर सिंह सिंह गुसाई निवासी ग्राम सोपखाल थाना धुमाकोट जिला पौडी गढ़वाल हाल निवासी देवभूमि रसोई होटल पीएसी रोड सुभाष नगर कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

बनभूलपुरा से हटा कर्फ्यू, अब पटरी पर लौटेगा आम जनजीवन

कर्फ्यू

8 - डीएम बोलीं- अब हालात सामान्य, बनभूलपुरा में कर्फ्यू की जरूरत नहीं

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

उत्तराखंड के हल्द्वानी में दंगा प्रभावित क्षेत्र बनभूलपुरा से मंगलवार सुबह पांच बजे से कर्फ्यू हटा दिया गया। कर्फ्यू लगाने से आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोगों का जीवन ठहर सा गया था। कर्फ्यू हटने के बाद अब आम जनजीवन पटरी पर लौटेगा।

आदेश

[illegible]

नैनीताल की जिलाधिकारी वंदना सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि बीती आठ फरवरी को बनभूलपुरा क्षेत्र में घटित घटना के दृष्टिगत कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा-144 के अंतर्गत हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में कर्फ्यू की घोषणा की गई थी। इस आदेश में कहा है कि बाद में बनभूलपुरा क्षेत्र में कर्फ्यू में ढील भी दी गई। वर्तमान परिस्थितियों में अब बनभूलपुरा में कर्फ्यू की जरूरत नहीं है, इसलिए धारा-144 के अंतर्गत निर्गत कर्फ्यू आदेश 20 फरवरी को प्रातः पांच बजे से समाप्त किया जाता है।

शांति बनाए रखने की अपील-

कर्फ्यू हटने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने शांति बनाए रखने की अपील की है। कहा कि किसी के बहकावे में न आएं। माहौल खराब न करें। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने से बचें।

यह था मामला-आठ फरवरी का वो खतरनाक मंजर कोई शायद ही भूल पाएगा। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित बनभूलपुरा में अवैध रूप से निर्मित मदरसे को ढहाने के बाद बीती आठ फरवरी को इलाके में हिंसा भड़क गई थी। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के कर्मियों व पुलिस पर पथराव किया था और पेट्रोल बम फेंके थे। इस कारण कई पुलिसकर्मियों को एक थाने में शरण लेनी पड़ी थी, जिसे भीड़ ने बाद में आग के हवाले कर दिया था। पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी और पुलिस एवं पत्रकारों सहित 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। दो अन्य युवकों की मौत का कारण अलग था। इसका खुलासा पुलिस ने कर दिया है।

बाइक फिसलने से आर्मी ट्रक की चपेट में आए दो युवक, मौके पर मौत

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चमोली जिले के स्वयंसेवी संगठनों के विकास कार्यकताओं के साथ हिमाद समिति ने गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

विकास कार्यकताओं से पराविधिक कार्यकर्ता और हिमाद के सचिव उमाशंकर बिष्ट ने कहा कि समाज के आर्थिक या अन्य असमर्थता के कारण कमजोर व्यक्तियों को विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव के लिए प्रयास करने होंगे ताकि समाज का प्रत्येक व्यक्ति गरिमामय जीवन यापन कर सके। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व हो जाता है कि समाज में गरीबी उन्मूलन के उपायों तक पहुंच बना कर आम व्यक्ति को लाभान्वित किया जाये।

Name change

I, Deepak Dwivedi S/o Ram Pyare Dwivedi R/o B- 409, Dwarika Greens, Opp. Civil Hospital, Roorkee, Haridwar, Uttarakhand- 247667, have changed my minor daughter's name from Kalash aged 12 years to Dishita Dwivedi forever

रंगला पंजाब उत्सव

आपका हार्दिक स्वागत

23 से 29 फरवरी, 2024, अमृतसर

भगवंत सिंह मान
मुख्य मंत्री, पंजाब

दिनांक	समय	आयोजन	स्थान
23 फरवरी	सांय 6:30 बजे से	उद्घाटन समारोह	खालसा कॉलेज
24-25 फरवरी	प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक	साहित्य उत्सव	पारटीशियन म्यूज़ियम
24-25 फरवरी	सांय 4:00 बजे से 6:00 बजे तक	कार्नीवल परेड	पहला दिन: रैड क्रॉस - रणजीत एवेन्यू ग्राउंड दूसरा दिन: ट्रीलियम माल-रणजीत एवेन्यू ग्राउंड
24-29 फरवरी	प्रात: 11:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक	सेवा स्ट्रीट	टाऊन हाल हैरीटेज़ स्ट्रीट
24-29 फरवरी	प्रात: 11:00 बजे से रात्री 10:00 बजे तक	फूडिस्तान एवं शॉपिंग मेला	रणजीत एवेन्यू ग्राउंड
24-29 फरवरी	सांय 7:00 बजे से रात्री 8:30 बजे तक	डिजिटल मेला	समर पैलेस
24-25 एवं 27-29 फरवरी	सांय 7:00 बजे से	ताल चौक	रणजीत एवेन्यू ग्राउंड
25 फरवरी	प्रात: 7:00 बजे से 9:00 बजे तक	ग्रीनाथॉन	आनंद अमृत पार्क-साइडा पिंड
26 फरवरी	सांय 7:00 बजे से	पंजाबी लोक संगीत नाईट	किला गोबिंदगढ़
29 फरवरी	सांय 6:30 बजे से	समापन समारोह	रणजीत एवेन्यू ग्राउंड

पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग, पंजाब

संपादकीय

मेगा प्रोजेक्ट्स और स्थानीय हितों में टकराव

देश में विकास के मेगा प्रोजेक्ट्स और स्थानीय हितों में टकराव के समाचार रोज कहीं न कहीं से आते ही रहते हैं। यह ठीक है कि कुछ नया बनेगा तो कुछ पुराने को हानि भी झेलनी पड़ेगी। किन्तु जीवन के लिए आवश्यक हवा पानी और भोजन जैसे संसाधनों पर जब चोट पड़ने लगती है तो मामला चिंतनीय हो जाता है और उस पर तार्किक रूप से विचार करना जरूरी हो जाता है। किन्तु खेद का विषय है कि आमतौर पर स्थानीय निवासियों के हितों पर परियोजना हितों को वरीयता दी जाति है। इस स्थिति में टकराव शुरू हो जाते हैं, जिनका समाधान यदि तर्क और स्थानीय हितों को ध्यान में रख कर न किया जाए तो मामले बिना वजह ही उलझ जाते हैं और बहुत बार अनावश्यक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाते हैं। कई बार गलत या अधूरी सूचनाओं के कारण भी मामले उलझ जाते हैं। आजकल हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला में इसी तरह का आन्दोलन अली खड्ड के पानी को ले कर चल रहा है। आंदोलनकारी तीन सप्ताह से बैठे हैं किन्तु किसी अर्थपूर्ण संवाद के अभाव में कोई हल निकल नहीं सका है। अनुभव यह बताता है कि शांतिपूर्ण आंदोलनों को जब समय पर सुना नहीं जाता है तो आन्दोलन उलझ जाते हैं और कई बार गलत हाथों में चले जाते हैं। इस लिए एक स्वस्थ प्रजातंत्र में लोगों के असहमति के अधिकार का सम्मान करते हुए आन्दोलन की बात को जल्दी सुना जाना चाहिए। किन्तु प्रशासन अपनी जिद पूरी करने के लिए मुद्दे की बात समझने के बजाय आन्दोलन को लंबा लटका कर लोगों को थका कर आन्दोलन को समाप्त करने की रणनीति अपनाने का प्रयास करता है। यह समस्या को बिना सुने समझे टाल देने का तरीका वाजिब नहीं है। यदि प्रशासन की बात सही है तो तर्क और पूरी सूचना देकर मामला सुलझाया जा सकता है। और यदि आन्दोलनकारियों की बात तथ्यात्मक है तो तथ्यों का ध्यान रखते हुए मामला हल किया जा सकता है। जीवनयापन के लिए अपरिहार्य रूप से आवश्यक संसाधनों की जब बात आती है तो स्थनीय निवासियों के अधिकारों को वरीयता दी जानी चाहिए, यही प्राकृतिक न्याय की मांग है। जहां दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह सही हों तो किसी एक की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकल्प तलाशने चाहिए। इस प्रक्रिया में दलगत राजनैतिक हित साधने के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस दृष्टि से देखा जाए तो इस आन्दोलन में दोनों मुख्य राजनीतिक दलों के स्थानीय नेता एक स्वर में त्रिवेणी घाट से पानी उठा कर अंबुजा सीमेंट प्लांट को देने का विरोध कर रहे है। विरोध का तार्किक आधार यह है कि जहां से पानी उठाया जा रहा है वहां से नीचे बिलासपुर जिला के चार निर्वाचन क्षेत्रों का पानी अली खड्ड से मिल रहा है। जिसके लिए 24 लिफ्ट और ग्रेविटी पेयजल योजनाएं, 7 सिंचाई लिफ्ट योजनाएं, स्थानीय कुहलें और घराट तथा मछली प्रजनन केंद्र चल रहे हैं। जिससे 50 हजार से ज्यादा जनसंख्या की पानी जरूरतें पूरी हो रही हैं। 1992 में भी यह योजना गुजरात अंबुजा के पूर्व मालिक द्वारा प्रस्तावित की गई थी जिसे वीरभद्र सिंह सरकार द्वारा डाउन स्ट्रीम स्थानीय समुदाय का पक्ष सुन कर रद्द कर दिया था। अब नए मालिक ने फिर से उस योजना को पुनर्जीवित करके निर्माण कार्य शुरू करवाया है। इसके लिए जलशक्ति विभाग को माध्यम बनाया गया है।

राजनीति के शोर में न दब जाए, संदेशखाली की आवाज !

आशीष वशिष्ठ

> "बेहतर तो ये होता कि कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन में शामिल अन्य दलों का संयुक्त प्रतिधिमंडल संदेशखाली में पीड़ित महिलाओं की बात सुनकर ममता बैनर्जी को कठघरे में खड़ा करता किंतु वोटों की राजनीति के कारण महिलाओं के अपमान पर भी अधिकतर पार्टियां मौन साधे बैठी हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं इसलिए देखना ये होगा कि इतना गंभीर मुद्दा कहीं राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और शोर–शराबे में दबकर न रह जाए। आरोपियों का कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जो नजीर बनें"

बीते कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल का संदेशखाली सुर्खियों में बना हुआ है। संदेशखाली से जो खबरें छन-छनकर बाहर आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को व्यथित कर सकती हैं। संदेशखाली पर जितनी रपटें और विश्लेषण सामने आए हैं, उनके मद्देनजर आश्चर्य होता है कि 2011 से वहां दरिंदों के अत्याचार, यौन उत्पीड़न और भूमि पर जबरन कब्जों के सिलसिले जारी रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें झूठ करार दे रही हैं। जो जानकारी आई उसके आधार पर ये कहा जा सकता है कि संदेशखाली में मध्ययुगीन गुलाम प्रथा जिंदा है। संदेशखाली का पूरा मामला प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई के बाद लोगों के सामने आया है। बीती 5 जनवरी, 2024 को ईडी के अधिकारियों ने राशन भ्रष्टाचार मामले में संदेशखाली के सरबेड़िया में तृणमूल नेता शेख शाहजहां से पूछताछ करने पहुंचे हुए थे। तृणमूल के गुंडों की मदद से न सिर्फ नेता शाहजहां शेख फरार हो जाने में कामयाब रहा, बल्कि इस दौरान सरकारी अधिकारियों पर भी हमले भी किए गए थे। इसके बाद से ही स्थानीय लोगों ने अपनी आवाज तेज कर दी और खुलकर सामने आ गए। जो कुछ भी उनके द्वारा बताया गया, वह 21वीं सदी में अकल्पनीय है। शाहजहां शेख और उसके गुर्गे महिलाओं को अपनी निजी संपत्ति मानकर उठा ले जाते रहे और तृणमूल कार्यालय में रखकर उनका यौन शोषण कर छोड़ देते थे। विवाहित महिला के पति को भी ये कहा जाता कि उसकी पत्नी पर पहला अधिकार शेख का है। किसी भी सुंदर महिला को जबरन उठाकर ले जाना और उसका यौन शोषण करना संदेशखाली में आम बात थी। जब महिलाओं से पूछा गया कि वे इस अत्याचार के विरुद्ध अब तक खामोश क्यों रहीं तो उनका उत्तर था कि शाहजहां जब ईडी के डर से फरार हुआ तब जाकर उनमें साहस आया।

वह लोगों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने और उनकी मजदूरी छीनकर आतंकित करने का काम करता रहा किंतु तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा होने की वजह से उसका हौसला बुलंद था। ईडी की छापेमारी के बाद संदेशखाली महिला सशक्तीकरण का जीवंत उदाहरण बन गया है। लेकिन महिला होने के बावजूद ममता बैनर्ज अभी तक अपनी पार्ट के कुख्यात नेता पर लग रहे आरोपों पर ध्यान देने के बजाय ये शिगूफा छोड़ रही हैं कि संदेशखाली आरएसएस का प्रभावक्षेत्र

है। महिलाओं पर उनके साथ हुए बलात्कार को साबित करने का दबाव भी बनाया जा रहा है। विवाद बढ़ने के बाद 12 फरवरी को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने संदेशखाली का दौरा किया। यहां की महिलाओं से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने मीडिया से कहा, मैंने संदेशखाली की माताओं और बहनों की बातें सुनी. मुझे विश्वास नहीं हुआ कि रबिन्द्र नाथ टैगोर की धरती पर ऐसा भी हो सकता है। राज्यपाल के बयान से स्थिति की गंभीरता को समझा जा सकता है। राष्ट्रीय महिला आयोग की फैक्ट-फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट से भी संदेशखाली के हालात की भयानकता उजागर हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, गांव की महिलाओं से जुटाई गई गवाहियां परेशान करने वाली हैं, जो वहां व्यापक भय और व्यवस्थित दुर्व्यवहार की एक भयावह तस्वीर सामने लाती हैं। इसके मुताबिक, पीड़िताओं ने पुलिस अधिकारियों और तृणमूल कांग्रेस के लोगों की ओर से की गई शारीरिक और यौन हिंसा की वारदातों का जिक्र किया। इससे लगता है कि शाहजहां शेख ने संदेशखाली में अपने गुनाहों का जो साम्राज्य कायम किया था, उसमें पुलिस भी सक्रिय तौर पर शामिल थी। राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस गांव की जिस महिला ने भी अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई, उन्हें उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। चारों ओर से दबाव पड़ने पर दिखावे के लिए कुछ छुटभैये किस्म के तृणमूल नेताओं को पुलिस ने जरूर पकड़ा है किंतु जो लोग संदेशखाली के हालात का जायजा लेने जा रहे हैं उनको भी रोकने की करवाई पुलिस और प्रशासन द्वारा किए जाने से साफ है कि ममता सरकार को महिलाओं के मान-सम्मान से अधिक अपनी पार्ट के नेताओं की चिंता है। पष्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर दी हैं। बंगाल में 27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। ममता बनर्ज इनके तुष्टिकरण से ही सत्ता में बनी हुई है। और इस्लामी एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। ममता बनर्ज के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को अपने धार्मिक रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार मनाने तक की स्वतंत्रता नहीं रह गई है। वस्तुस्थिति ये है कि वामपंथी सरकार के राज में जो गुंडे आतंक का पर्याय थे वे सभी सत्ता परिवर्तित होते ही तृणमूल कांग्रेस में आ गए। परिणामस्वरूप पष्चिमबंगाल की स्थिति आसमान से टपके खजूर पर अटके वाली होकर रह गई।

पहले जो लूटपाट वामपंथी पार्टी का कैडर करता था, वही अब तृणमूल कार्यकर्ता बन चुके असामाजिक तत्व धड़ल्ले से करते हैं। चूंकि पुलिस उनके क्रियाकलापों पर रोक नहीं लगाती लिहाजा जनता भी भयग्रस्त है। संदेशखाली की घटना पहली नहीं है। बीते कुछ सालों में यह राज्य अराजकता के शिकंजे में फंस गया है। चूंकि कांग्रेस और वामपंथी पूरे तौर पर हाशिए पर आ चुके हैं इसलिए भाजपा ही पश्चिम बंगाल में विकल्प के रूप में उभर रही है। संदेशखाली की लड़ाई में भी वही पीड़ित महिलाओं के साथ खड़ी हुई है। हालांकि लोकसभा में कांग्रेस दल के नेता अधीर रंजन चैधरी ममता सरकार के विरुद्ध आवाज उठाया करते हैं किंतु जिस इंडिया गठबंधन में तृणमूल भी शामिल है उसकी ओर से संदेशखाली में हुए अत्याचार के विरुद्ध कुछ न कहा जाना चौंकाता है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी की तरफ से भी ममता बैनर्ज की सरकार का वैसा विरोध नहीं हुआ जैसा अपेक्षित था। मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने विधानसभा में कहा है कि संदेशखाली में आरएसएस का अड्डा है और वही औरतों को उकसा और बरगला रहा है। यदि संघ किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है, तो मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? लेकिन ममता बैनर्ज ने इस कांड पर अब तक जिस प्रकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाया वह शर्मनाक है। क्या यह संभव हो सकता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जानकारी ही न हो कि उनका सिंडिकेट कहां है? ममता-राज के दौरान तृणमूल के भीतर ही ऐसा सिंडिकेट बना दिया गया है, जो ज्यादातर हिंदू आबादी पर ही दरिंदगी दिखाते हैं। पुरुषों को जान से मार देने की धमकियां भी देते हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान इसी सिंडिकेट ने भाजपा के खिलाफ 273 घटनाएं की थीं। कई कार्यकताओं को भी मार दिया गया था। यह गुंडई पंचायत चुनावों में सरेआम कहर ढहाती रही है। क्या एक महिला मुख्यमंत्री का शासन ऐसा भी हो सकता है कि दरिंदे खुलेआम हत्याएं और अत्याचार कर सकें? इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का रवैया भी निराशाजनक है। जब किसी स्थान की दर्जनों महिलाएं उन पर हुए अमानुषिक अत्याचार की जानकारी सार्वजनिक रूप से दे रही हों तब तो मुख्यमंत्री को खुद उनसे मिलकर अपराधियों को सजा दिलवाने की पहल करनी चाहिए थी। लेकिन इसके विपरीत वे इसे राजनीतिक मोड़ देकर अपनी पार्टी के साथ जुड़े समाज विरोधी तत्वों को बचाने में जुटी हुई हैं।

बेहतर तो ये होता कि कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन में शामिल अन्य दलों का संयुक्त प्रतिधिमंडल संदेशखाली में पीड़ित महिलाओं की बात सुनकर ममता बैनर्जी को कठघरे में खड़ा करता किंतु वोटों की राजनीति के कारण महिलाओं के अपमान पर भी अधिकतर पार्टियां मौन साधे बैठी हैं।

चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं इसलिए देखना ये होगा कि इतना गंभीर मुद्दा कहीं राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और शोर–शराबे में दबकर न रह जाए। आरोपियों का कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जो नजीर बनें।

कविता

आरती- छत्तीसगढ़ महतारी

जय जय छत्तीसगढ़िन ओ, दाई छत्तीसगढ़िन ओ।
तोर कोरा मा जनमेन-2, खेलेन अउ बाढ़ेन ओ।।

भारत के भुइँया मा बसे तँय, महिमा हे तोर भारी।
दक्षिण कोशल नाम ले जग मा, जानत हे नर-नारी।।

ऐंठी रुपिया करधन साँटी, पहिरे हे लुगरा हरियर।
मोहनी मुरतिया रुप हे दाई, हावस सब ले सुग्घर।।

अरपा पैरी महानदी के, धार बोहावत हे।
इंद्रावती हा दाई तोरे, चरण पखारत हे।।

धान के कटोरा दाई, सब झन कहिथें ओ।
चना गहूं तिवरा राहेर, लहरावत रहिथे ओ।।

तोर कोरा मा भरे हे दाई, खनिज के भंडार।
छत्तीसगढ़ महतारी तोरे, महिमा हे अपरंपार।।

चारो मूड़ा मा हावय दाई, देवता धामी के वास।
भक्तन के दुख पीरा हरथे, करथे बइरी के नास।।

डोंगरी-पहाड़ी जंगल-झाड़ी, सुग्घर हे तोर राज।
जे तोला गोहराथे दाई, ओखर बनाथस काज।।

अर्जी करत हँव दाई तोरे, महिमा जग मा छाय।
राजकुमार निषाद हा दाई, आरती ला सिरजाय।।

राजकुमार

आस्था से अर्थव्यवस्था

डा मनमोहन प्रकाश

भारत संविधान से भले ही सनातन राष्ट्र ना हो किन्तु इस धर्म या विचार को मानने वालों की संख्या के आधार पर सनातनी राष्ट्र है। पिछले एक दशक में देश की जनता ने भयमुक्त होकर सनातन धर्म, संस्कार और संस्कृति का समर्थन किया है। कुछ मुठ्ठी भर लोगों ने विरोध भी किया, सनातन धर्म और उसके ग्रंथों को भला-बुरा कहा, पर अन्त में उन्हें हताशा और निराशा ही हाथ लगी। वहीं दूसरी ओर कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं को न चाहकर भी सनातन मंदिर के सामने नतमस्तक होना पड़ा। किन्तु अब प्रदेश और केंद्र की सरकारों को इसमें रोजगार और स्वरोजगार सृजन का मार्ग दिखाई देने लगा है।शायद इसी के मध्येनजर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए धर्म स्थलों को न सिर्फ आकर्षक बनाने की शुरूआत की गई अपितु इन्हें सभी सुविधाओं से युक्त करने के प्रयास भी तेज हुए हैं। पर्यटन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना कोई नया फंडा नहीं है। विदेशों में पर्यटन को उद्योग मानते हुए इसके माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रयास किया जाता रहा है। कुछ देश तो पर्यटन के कारण ही फल-फूल रहे हैं,चाहे फिर वो यूएई हो, मलेशिया हो,मारिशस हो, यूरोप, दक्षिण अफ्रीका हो या फिर मालदीव आदि। स्वयं या परिवार के आनंद के लिए पर्यटन या यात्राएं वैसे तो पैसे वालों का शौक रहा है पर भारत में धर्म यात्राएं गरीब से लेकर अमीर व्यक्तियों का सपना होती हैं। जैसे हर सनातनी की इच्छा होती है कि वह अपने जीवन में एक बार चार धाम की यात्रा करे, बाराह ज्योतिलिंगों तथा इक्वायन शक्ति पीठों और अष्ट विनायक के दर्शन, जितना भी कर सके,अवश्य करे। इसी तरह अन्य धर्मों के अनुयायी अपने धर्म स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। भारत भूमि की विशेषता यही है कि वह सनातन,जैन, बौद्ध,सिक्ख धर्मों की जननी रही है, इस कारण इन धर्मों के धर्म स्थल भी अधिक हैं। भारत ने पिछले दशक में धार्मिक पर्यटन से रोजगार/स्वरोजगार के मार्ग प्रशस्त होते देख धर्म स्थलों की दशा और दिशा सुधारने का, विकसित करने का, इन स्थलों की यात्रा को सुगम,सहज, सुविधा युक्त तथा धर्म स्थलों को आकर्षक बनाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किये हैं। इन स्थानों को अच्छी रेल , सड़क एवं हवाई सुविधाएं प्रदान की जा रही है। स्थानीय तथा यात्रियों के लिए खान-पान से लेकर अन्य जरूरत की छोटी- बड़ी चीजों की आपूर्ति का ध्यान रखा जा रहा है।इन सब से नये-नये व्यापार और रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। धर्म स्थल एवं आसपास के स्थानों पर आधुनिक होटलों, धर्मशालाओं , रिसोर्ट का निर्माण हो रहा है। जल स्रोतों के शुद्धीकरण एवं रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है, घाटों का निर्माण हो रहा है।नई टाउनशिप्स जन्म ले रही हैं, पुरानी टाउनशिप्स का विकास एवं विस्तार हो रहा है।

विचार

लोकसभा चुनाव 2024, पार्टियों की तैयारी पूरी

किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

वैश्य स्तरपर लोकतंत्र के सबसे बड़े देश भारत में अगले दो माह में चुनाव होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 पर पूरी दुनियां की नजरें लगी है,क्योंकि आज हर वैश्विक मंच पर भारत का दखल महत्वपूर्ण माना जाता है।भारत की बात आज पूरी दुनियां में ध्यान से सुनी जाती है। आज हर देश को भारत के साथ, समर्थन सहयोग की जरूरत है जिसे रेखांकित करना जरूरी है। ऐसे अब इन चुनावों के मौके पर किसान आंदोलन की एंट्री ने सत्ताधारी पक्ष को हिला दिया है, क्योंकि मेरा मानना है कि सत्ताधारी पक्ष का सत्ता में वापस आना तो करीब करीब निश्चित है, परंतु बात अटकेगी उनकी अपेक्षा और नारा अबकी बार 400 पार और कुल वोटिंग प्रतिशत का 50 पर्सेंट से अधिक का लक्ष्य को अपने पक्ष में लाने के बीचकिसान आंदोलन का रोड़ा अड़ सकता है क्योंकि किसानों द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2024 को देर रात्रि एमएससी पर चौथे दौर की बातचीत के सरकार के प्रस्ताव आए पांच फसल 5 साल एमआरपी निर्धारित को किसानों ने आज दिनांक 19 फरवरी 2024 को देर रात्रि खारिज कर दिया है और 21 फरवरी 2024 तक सरकार के जवाब काइंतजार के बाद आंदोलन का रुख तेज बनाया है जो सरकार के लिए परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। चुंकि 400 पार 50 प्रतिशत वोटिंग से अधिक प्रतिशत के लिए किसानों का साथ जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे लोकसभा चुनाव 2024 में हर राजनीतिक पार्टी के मुकद्दर का सिकंदर होंगे किसान,मजदूर व मध्यमवर्गीय पारिवार वोटर।

साथियों बात अगर हम रविवार दिनांक 18 फरवरी 2024 को देर रात तक चली चौथे दौर की बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री के बयान की करें तो उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत में गतिरोध दूर करने के लिए अगले पांच साल तक पांच फसलों झ्र मसूर, उड़द, अरहर, मक्का और कपास झ्र की पूरी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि नेफेड, एनसीसीएफ और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के जरिये की जाने वाली खरीद समझौदते के तहत होगी। इससे एमएसपी का दायरा धान एवं गेहूं से आगे ले जाने में मदद मिलेगी फिलहाल यह साफ नहीं है कि एमएसपी पर ये फसलें उन्हीं किसानों से खरीदी जाएंगी, जिन्होंने अपनी खेती में गेहूं और धान के अलावा विविधता लाने पर जोर दिया है या सभी से खरीदी जाएंगी।मं?त्री ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, एनसीसीएफ (राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ) और नेफेड (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ) जैसी सहकारी समितियां उपज खरीदने के लिए अरहर, उड़द, मसूर या मक्का उगाने वाले किसानों के साथ समझौते करेंगी। अगले पांच साल तक उनकी फसल एमएसपी पर खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा, एमएसपी पर खरीद के लिए कोई मात्रा तय नहीं की जाएगी और इसके लिए एक पोर्टल तैयार किया जाएगा। मंत्री ने यह प्रस्ताव भी दिया कि भारतीय कपास निगम किसानों के साथ कानूनी समझौता करने के बाद अगले 5 साल तक कपास की खरीद एमएसपी पर करेगा।जवाब में किसान नेताओं ने कहा कि वे इस प्रस्ताव पर अपने साथी सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे और एक-दो दिन में अपना निर्णय बताएंगे। मगर किसान एमएसपी को कानूनी गारंटी देने की अपनी मुख्य मांग से पीछे हटते नहीं दिख रहे हैं। साथियों बात अगर हम लोकसभा चुनाव 2024 की दहलीज पर किसान आंदोलन की करें तो, लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले किसान एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। जिस समय राम मंदिर निर्माण के जोश से लबरेज पार्टी अपने पूरे वेग में आगे बढ़ रही थी और पीएम 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, किसान उसके रास्ते में आकर खड़े हो गए हैं। यह माना जा रहा है कि यदि यह मामला नहीं सुलझा, तो पार्टी को इससे नुकसान हो सकता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

ब्यूटी टिप्स

थ्रेडिंग के बाद आईब्रोज में आ जाती सूजन तो...

शहनाज हुसैन

थ्रेडिंग फैशन और जरूरत दोनों में ही शामिल है/ खूबसूरत चेहरे की चाह में आइब्रो की थ्रेडिंग करवाना आम बात है/ भौंहों का आकार आपके चेहरे को गजब का आकर्षण दे सकता है / आईब्रो आपके चेहरे के आकर्षण को पूरी तरह से बदल देता है/ आईब्रो का अच्छा शेप सुन्दरता में निखार लता है और लुक को बेहतर दिखाने में मदद करता है लेकिन कुछ महिलाओं की त्वचा काफी सम्बेदनशील होती है जिसकी वजह से आईब्रो बनवाते समय ज्यादा दर्द होता है आइब्रो को सही आकार देने के लिए थ्रेडिंग या ट्वीजिंग का इस्तेमाल करना पड़ता है और ये दोनों प्रक्रियाएं दर्द से भरी होती हैं/

आप भी उनमें से हैं जिन्हें ट्रेडिंग के बाद जलन और लालिमा का सामना करना पड़ता है तो आप कुछ घरेलू टिप्स की मदद से इससे राहत पा सकते हैं/ इससे न तो कोई साइड इफेक्ट होगा और नहीं कोई पैसे खर्च होंगे

आइस क्यूब.-------थ्रेडिंग के बाद आइब्रो में दाने निकल आते हैं और जलन सूजन लालिमा और मुहांसे हो जाते हैं तो ऐसे में तुरंत बर्फ का टुकड़ा/ आइस क्यूब लगाकर आईब्रो पर मसाज करें/ इससे जलन में काफी आराम मिलता है/ त्वचा में अन्दर तक ठण्डक पहुंचाने में बर्फ काफी मदद करती है / इस में कूलिंग और सूथिंग इफेक्ट होता है/ आईब्रो के आस.पास बर्फ लगाने से स्किन पर थ्रेडिंग करते समय दर्द नहीं होता।

दिन में दो बार आइस क्यूब से सिकाई करने के बाद आपको फर्क जल्दी नजर आने लगेगा

एलोवेरा

अगर आपको आईब्रो बनवाने के बाद जलन, रेडनेस और मुंहासों की समस्या परेशान करती हैं तो थ्रेडिंग के बाद थोड़ा सा एलोवेरा जेल लेकर उसे आस पास की त्वचा पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें/

यह त्वचा को डीप नरिश भी करता है और कील , मुंहासों को कम करने में मदद करता है/

इसके लिए एलोवेरा के ताजे पत्ते लें और उसे आईब्रो पर लगाएं। इससे जलन, सूजन और दर्द की समस्या गायब हो जाएगी / एलोवेरा में कूलिंग इफेक्ट होता है और एंटीबैक्टीरियल गुण भी होता है>

असफलतायें बड़ी सफलता का मार्ग

संजीव

सफलता संयम और उत्साह से प्रयास की परिणति । असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास की परम आवश्यकता होती है और असफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दशार्ती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है

दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है,
लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।

असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है।

मुख्य सचिव ने की आगामी लोकसभा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा

निर्देश

8 मुख्य सचिव ने सभी कर्मियों का मतदान शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्य सचिव ने आगामी लोकसभा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी कर्मियों का मतदान शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। साथ ही सभी चेक पोस्ट की भी सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करने और अवैध शराब की जमाखोरी और तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग का संयुक्त ऑपरेशन चलाने पर जोर दिया।

मंगलवार को सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आगामी लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत शिक्षा और संबंधित विभागों को राज्य में सभी 11729 पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं के लिए पेयजल और शौचालय, बिजली, पर्याप्त फर्नीचर, शेड और दिव्यांगजनों और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए रैम्प, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिकों की स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं और आकस्मिक चिकित्सा उपचार की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एक एयर एम्बुलेंस, कैशलेस उपचार की व्यवस्था, मेडिकल किट्स की उपलब्धता आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस बार हमें केजुअल्टी फ्री इलेक्शन 2024 के विजन के साथ कार्य करना है। सभी निर्वाचन कार्मिकों की हेल्थ स्क्रीनिंग करवाने और जिला स्तरीय मेडिकल कमेटी के माध्यम से इस सम्बन्ध में मार्गदर्शन लेने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव रतूड़ी ने आबकारी विभाग को विशेषरूप से निर्देश देते हुए अवैध शराब की जमाखोरी और तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए पुलिस व आबकारी का ज्वॉइंट ऑपरेशन चलाने, शराब की उत्पादन इकाइयों, गोदामों और लाइसेन्स वाली दुकानों की सीसीटीवी से निगरानी करने, अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर चेक पोस्ट एवं कण्ट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी चेक पोस्ट की भी सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपने विभाग में राज्य स्तर, जिला स्तर तथा ब्लॉक स्तर पर निर्वाचन नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सभी सरकारी कार्मिकों, निर्वाचन की ड्यूटी में लगे कार्मिकों, पुलिस कर्मियों को पोस्टल बैलेट या ईडीसी के माध्यम से मतदान के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं।

दो पक्षों में जमकर हुआ बवाल, 11 घायल

मारपीट

8 एक पक्ष ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोग लाठी-डंडे लेकर आ गए और मारपीट शुरू कर दी।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कलियर नगर पंचायत के महमूदपुर में दो पक्षों में हुए विवाद में जमकर पत्थर और लाठी-डंडे चले। इसमें दोनों पक्षों की एक महिला और एक बुजुर्ग समेत 11 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा।

नगर पंचायत पिरान कलियर के महमूदपुर में दो पक्षों में हुए विवाद में पत्थर और लाठी-डंडे चलने से एक महिला और बुजुर्ग व्यक्ति समेत 11 लोग घायल हो गए। एक पक्ष ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोग उनके घर पर लाठी-डंडे लेकर आ गए और पत्थरों से हमला कर मारपीट शुरू कर दी। जिसमें तनवीर, हैदर, सनव्वर, जर्रार, लाईक अहमद,सनव्वर घायल हो गए। उनके घर पर खड़ी दो कारें, एक ट्रैक्टर में तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घर व घर में रखे सामान में भी तोड़फोड़ की।

दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि उनके बुजुर्ग ने मस्जिद में जाकर टॉयलेट कर दिया था, जिसके कारण इनके बुजुर्ग को मस्जिद में जाने से इंकार किया था। जिस पर उनके साथ मारपीट कर आरिफ, वहदत, फहरत, किफायत, कम्मो के साथ मारपीट के घायल कर दिया। थानाध्यक्ष दिलबर सिंह नेगी ने बताया कि घायलों को मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया गया। तहरीर आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एमेजॉन भारत में समुद्र तल से 4,500 फीट की ऊंचाई पर हिमालय तक ग्राहकों के ऑर्डर पहुँचाता है

देहरादून। ऊपरी हिमालय में समुद्र तल से 4500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद गजौली में बना महर्षि आश्रम भारत में करीब 60 ध्यान अभ्यासियों के लिए एक शांत आश्रय की जगह है। यह एक ऐसा आश्रम है जहां दुनिया भर से लोग ध्यान का अभ्यास करने और आंतरिक शांति पाने के लिए आते हैं। बाहरी दुनिया द्वारा ध्यान न भटके इसलिए आश्रम को बाकी दुनिया से अलग और एकांत रखा गया है। हालांकि यह अभ्यासकताओं के लिए एक बेहतरीन वातावरण है, लेकिन फिर भी यह स्थान रोजमर्रा की जरूरतों को इनसे काफी दूर कर देता है।

पं ललित मोहन शर्मा महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह का किया जाएगा आयोजन

दीक्षांत समारोह

8 चतुर्थ दीक्षांत समारोह में 19849 स्नातक स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश स्थित पंडित ललित मोहन शर्मा महाविद्यालय में चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन और महाविद्यालय परिसर में बने नए ऑडिटोरियम स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह का भी उद्घाटन भी होने जा रहा है।मंगलवार को ऋषिकेश पंडित ललित मोहन शर्मा महाविद्यालय में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में पत्रकार वार्ता में श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति एनके जोशी ने बताया कि ऋषिकेश पंडित ललित मोहन शर्मा श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 21 फरवरी 2024 को ऋषिकेश परिसर में आयोजित किया जा रहा है,जिसमें मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ले.ज. गुरमीत सिंह अति विशिष्ट अतिथि, मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार पुष्कर सिंह धामी समारोह के विशिष्ट अतिथि शिक्षा मंत्री उत्तराखंड सरकार डॉ. धन सिंह रावत उपस्थित रहेंगे।

चतुर्थ दीक्षांत समारोह में 19849 स्नातक स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। 69 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक दिया जायेगा, तीनों संकाय विज्ञान संकाय, कला संकाय, वाणिज्य संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को श्री देव सुमन गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जायेगा। स्नातकोत्तर के तीन विषय इतिहास, मानव विज्ञान, चित्रकला में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कैप्टन शूरवीर सिंह पंवार गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जायेगा।

पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश में नव-निर्मित विवेकानंद हॉल का उद्घाटन कुलाधिपति एवं अतिथियों के द्वारा किया जायेगा, जिसका निर्माण कार्य 6 माह में पूर्ण किया गया। इसी हॉल में दीक्षांत समारोह का आयोजन होना है विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश एवं विश्वविद्यालय मुख्यालय में ढांचागत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ऋषिकेश परिसर में एकेडमिक ब्लॉक, परीक्षा हॉल, टाइप 5 की बिल्डिंग, गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

साइंस ब्लॉक एवं आर्ट ब्लॉक के रिनोवेशन का कार्य शुरू हो गया है जो विगत 20 वर्षों से नहीं हुआ था। ऑडिटोरियम एवं वाणिज्य में फर्स्ट फ्लोर का कार्य भी शुरू होने वाला है। विश्वविद्यालय में रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रम बीबीए, बीसीए, बीएससी (कम्प्यूटर साइंस) और एनएससी माइक्रोबॉयालोजी इत्यादि को विधिवत आरम्भ किया गया जो कि सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भारत में अब मिल सकेगा सभी योग्य ग्राहकों को आरोहणप्रिविलेज

देहरादून। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित एक जानीमानी एनबीएफसी-एमएफआई, आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड अब देश भर के सभी योग्य माइक्रोफाइनेंस ग्राहकों के लिए अपनी पहली डिजिटल माइक्रोफाइनेंस सेवा, "आरोहणप्रिविलेज"; लेकर आ रही है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है और यह कुल 18 राज्यों में काम करती है। अब जल्द ही यह भारत के दक्षिणी हिस्सों में भी अपना विस्तार करेगी। वित्त वर्ष 2023 में, आरोहण ने भारतीय माइक्रोफाइनेंस उद्योग की अपनी तरह की पहली डिजिटल ऋण सोर्सिंग सुविधा, 'आरोहणप्रिविलेजह्न को लॉन्च किया है। यह अनोखी पहल स्वर्ण-मानक ग्राहकों के लिए है, जिसमें कुछ ही मिनटों में, आरोहण के स्वामित्व वाले अपना-आरोहण ऐप के माध्यम से अपने घर बैठे बड़े आराम से 100 प्रतिशत डिजिटल और कैशलेस ऋण प्राप्त कर सकते है। आरोहणप्रिविलेज ऋण का टिकट आकार 5,000 रुपये से 75,000 रुपये तक है। अब तक इस चैनल द्वारा 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा वितरित किए जा चुके हैं। आरोहणप्रिविलेज में ग्राहकों को कम ब्याज दरों और ऋण प्रसंस्करण शुल्क के साथ विशेष लाभ और ऋण की सुविधा दी जाती है। जिसमें ग्राहक बिना कोई समूह बनाए, बिना किसी बैठक के, अपने घर से ही ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ग्राहकों को उनकी जरूरत अनुसार ऋण राशि और पुनर्भुगतान आवृत्ति चुनने की सुविधा भी दी जाती है। और यह सब एक सफल ऋण आवेदन करने के कुछ ही मिनटों में संभव हो जाता है। इस सेवा पर टिप्पणी करते हुए, आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की हेड ऑफ डिजिटल ग्रोथ रीमा मुखर्जी ने कहा कि हम देश भर में योग्य ग्राहकों के लिए उद्योग में अपनी पहली डिजिटल ऋण सुविधा के विस्तार की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं, यह भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम अपने ग्राहकों के समय की बहुत कद्र करते है और हमारे प्रति उनके भरोसे का बहुत सम्मान करते हैं। आरोहणप्रिविलेज ग्राहकों को समय और पैसा दोनों बचाने का सुविधा देता है।

हार्डविन इंडिया लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही के लिए शानदार वित्तीय परिणामों की घोषणा की

देहरादून। आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और ग्लास फिटिंग में लीडिंग हार्डविन इंडिया लिमिटेड (बीएसई: 541276, एनएसई: हार्डविन) ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए शानदार कमाई की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए, (कोन्स), कंपनी ने ऑपरेशनल रेवेन्यू में तिमाही दर तिमाही 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 31.94 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही) से 39.90 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही) तक बढ़ रही है। एबिटा तिमाही दर तिमाही 185 प्रतिशत बढ़ गया, जो 2.36 करोड़ (फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही) से 6.72 करोड़ (फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही) हुआ। एबिटा मार्जिन फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 7.37 प्रतिशत से 944 बीपीएस द्वारा बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही में 16.81 प्रतिशत हो गया। शुद्ध लाभ में तिमाही दर तिमाही 191 प्रतिशत का उछाल आया, जो 1.48 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही) से 4.31 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही) हुआ। शुद्ध लाभ मार्जिन 616 बीपीएस बढ़ गया, तथा फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 4.62 प्रतिशत से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही में 10.78 प्रतिशत हो गया।

तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार मोदी फिर बनेंगे प्रधानमंत्री: अमित शाह

देहरादून। दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि देश ने तय कर लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से देश के पीएम बनेंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। आज दुनिया में कहीं भी जाओगे तो लोग पूछेंगे कि मोदी के भारत से आ रहे हो।

75 वर्ष में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। देश में हर सरकार ने अपने समय पर समयानुकूल विकास करने का प्रयास किया है लेकिन आज बिना किसी कन्फ्यूजन के कहा जा सकता है कि समग्र विकास,हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल नरेंद्र मोदी जी के 10 वर्षों में हुआ है। मोदी जी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण को खत्म कर देश के अंदर पालिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की स्थापना की है।देश के प्रतीकों पर अंग्रेजों की गुलामी की जितनी भी निशानियां थीं उन्हें धीरे धीरे हटाने का काम किया है।

दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में की शानदार कमाई

देहरादून। चीनी, सस्टेनेबल पॉवर और इथेनॉल के अग्रणी खिलाड़ी दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड (बीएसई: 543267, एनएसई: दावणगेरे) ने 14 फरवरी 2024 को हुई अपनी बोर्ड बैठक में 31 दिसंबर 2023 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीनों के लिए अपने अनऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी दी।

पिछली तिमाही की तुलना में, दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड ने कुल राजस्व में 190 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी, जो वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 26.92 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 78.31 करोड़ हो गई। इसी के साथ, नेट प्रॉफिट में उल्लेखनीय 478 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 0.97 करोड़ से बढ़कर 5.61 करोड़ हो गई। इसके साथ ही, कंपनी बोर्ड ने अपशिष्ट गुड़ किण्वन (फर्मन्टेशन) को लिक्विडिफाइड कार्बन डाइऑक्साइड और ड्राई आइस में बदलने के लिए 3 करोड़ के निवेश से सीओ2 प्लांट को चालू करने की मंजूरी दे दी।

कुक्कुवाड़ा, कर्नाटक में 1970 में अपनी स्थापना के बाद दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए होकर शहर के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इनोवेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, कंपनी ने अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को चीनी से आगे बढ़ाकर सस्टेनेबल पॉवर और इथेनॉल सॉल्यूशन में विस्तारित किया है। कंपनी की पेशकश परंपरा और आधुनिकता के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण को दशार्ती हैं, जो ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। अपने रिफाइनरी और उच्च क्षमता वाले इथेनॉल फैसिलिटी के साथ दावणगेरे शूगर फैक्ट्री ने सस्टेनेबिलिटी में अग्रणी भूमिका निभाई है। जीरो वेस्ट और ग्रीन एनर्जी प्रिंसिपल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अलावा, कंपनी सक्रिय रूप से स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देती है और रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। वर्तमान में, दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड अपने विशाल चीनी प्लांट में 6000 टीसीडी (टन्स ऑफ केन क्रश्ड पर डे) की क्षमता रखती है। लगभग 2,83,874 वर्ग फुट के क्षेत्रफल के साथ, कंपनी की शुगर यूनिट कंपनी की दक्षता के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। इसके अलावा, पांच बड़े गोदामों की स्थापना, जो 6 लाख क्विंटल चीनी का भंडारण करने में सक्षम हैं, मजबूत भंडारण और वितरण क्षमताओं पर इसके जोर को रेखांकित करती है, जिससे एक बिना किसी रूकावट के एक सप्लाई चौन बन सके।

3,06,192 क्विंटल चीनी का उत्पादन इस चीनी कारखाने की दक्षता का प्रमाण है, यह प्लांट कुचले हुए गन्ने से भी 6.34 प्रतिशत चीनी निकालने में सफल रहा है।

आईडीबीआई बैंक ने उत्सव एफडी योजना के अंतर्गत एफडी पर विशेष दरें पेश कीं

देहरादून। आईडीबीआई बैंक ने अपने सबसे नए ऑफर में 300 दिनों की विशेष सीमित अवधि की एफडी अधिकतम 7.55 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर के साथ पेश की है, जिसे समय से पहले तोड़ने की अनुमति होगी। यह अभियान उत्सव एफडी योजना के अंतर्गत शुरू किया गया है, और उन ग्राहकों को आकर्षक प्रस्ताव देता है, जो कम अवधियों में आकर्षक ब्याज दर चाहते हैं। इसके अलावा, 375 और 444 दिनों के लिए मौजूदा उत्सव एफडी क्रमशः 7.60 प्रतिशत प्रति वर्ष और 7.75 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की प्रतिस्पर्धी ब्याज दर प्रदान करती रहेंगी।

राम लला के दर्शन कर कैबिनेट मंत्री आर्या बोलीं, आज मन बहुत प्रसन्न है

अयोध्या धाम

8 कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या मुख्यमंत्री धामी और अपने कैबिनेट के साथियों के साथ अयोध्या धाम पहुंचीं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और अपने कैबिनेट के साथियों के साथ अयोध्या स्थित श्रीराम लला के दर्शन किए। कैबिनेट मंत्री आर्या ने कहा कि आज मन बहुत प्रसन्न है।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या मंगलवार की सुबह मुख्यमंत्री धामी और अपने कैबिनेट के साथियों के साथ अयोध्या धाम पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी और अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना कर देश- प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की।

कैबिनेट मंत्री आर्या ने श्रीराम लला के दर्शन और पूजन के बाद कहा कि आज मन बहुत प्रसन्न है। मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली समझती हूं कि रामलला के दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंची हूँ। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया और कहा कि उनके प्रयासों से ही अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सम्पूर्ण उत्तराखंड राममय हो गया था। देवभूमि के हर मंदिर में भजन,भगवान राम का पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुए और प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया।

मंत्रिमंडल को धार्मिक यात्रा कराना जनता के पैसे का दुरुपयोग

आरोप

8 प्रदेश की धामी सरकार जनता की गाढ़ी कमाई से दिये गये टैक्स के पैसे के दुरुपयोग कर रही है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार के मंत्रिमण्डल को धार्मिक यात्रा कराने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की धामी सरकार जनता की गाढ़ी कमाई से दिये गये टैक्स के पैसे के दुरुपयोग कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रदेश की धामी सरकार का पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या की धार्मिक यात्रा पर है। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रायें आस्था का विषय हैं जो अपनी निजी कमाई से की जानी चाहिए, लेकिन प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल की यह धार्मिक यात्रा जनता के पैसे से कराई जा रही है जो कि अत्यंत दुःख का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के प्रति प्रत्येक नागरिक की अपनी धार्मिक आस्था है परन्तु सरकारी धन के लाखों रुपये खर्च कर ऐसी धार्मिक यात्रायें कराया जाना आम जनता की गाढ़ी कमाई का खुला दुरुपयोग है जो राज्य एवं जनहित में उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

माहरा ने कहा कि भाजपा सरकारें प्रत्येक मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी हैं। राज्य में बेरोजगारों की लाइन लगातार लम्बी होती जा रही है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है। ऐसे में अब भाजपा आसन्न लोकसभा चुनाव में हार के भय से जनता की मेहनत की कमाई के पैसे से दिये गये टैक्स से धार्मिक यात्रायें कर जनता को एकबार फिर से भ्रमित करना चाहती है।

उन्होंने भाजपा पर धार्मिक यात्राओं का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि एक ओर भाजपा के लोग अपनी निजी धार्मिक यात्रा पर उत्तराखंड आये कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के केदारनाथ दर्शन के दौरान सुनियोजित ढंग से नारेबाजी करते हैं तो दूसरी ओर धामी सरकार का पूरा मंत्रिमंडल सरकारी धन से धार्मिक यात्रा करता है, तब भाजपा के बड़बोले प्रवक्ता और वक्ता चुप्पी साधे बैठे हैं।

बाइक फिसलने से आर्मी ट्रक की चपेट में आए दो युवक, मौके पर मौत

हादसा

8 -ग्रामीणों ने अवैध खनन को बताया हादसे का जिम्मेदार, कई लोगों की हो चुकी मौत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
शाहपुर भोगपुर मार्ग पर शिवालिक स्टोन क्रशर के पास एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें भोगपुर से आ रहे दो बाइक सवारों की मौके पर मौत हो गई।

हादसा बाइक फिसलने से हुआ। ग्रामीणों ने हादसे का जिम्मेदार क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहे अवैध खनन व अवैध खनन सामग्री से भरे ओवर लोड वाहनों को बताया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और आर्मी की गाड़ी को को कब्जे में लेकर भिक्कमपुर चौकी खड़ा कर दिया है।

भोगपुर निवासी दो बाइक सवार युवक 32 वर्षीय सचिन सैनी पुत्र सुरेंद्र सैनी और 27 वर्षीय शक्ति कश्यप पुत्र कमल सिंह अपनी बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। जैसे ही वह बाणगंगा में लगे शिवालिक स्टोन क्रशर के पास बनी पुलिया को पार किया तो सड़क पर पड़ी बजरी व फिसलन से उनकी बाइक फिसल कर बराबर से रुड़की जा रही आर्मी की गाड़ी की चपेट में आ गई। 65 ब्रिज इंजीनियर रेजिमेंट की गाड़ी दोनों बाइक सवार युवकों के ऊपर से गुजर गई, जिसमें सचिन सैनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शक्ति कश्यप की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। दोनों युवकों की मौत की खबर जैसे ही परिजनों को पता चली तो परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घेराबंदी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही थाना पथरी व लक्सर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को बाहर निकाला। इसमें शक्ति कुछ सांसें चल रही थीं। उसको इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जिसकी रास्ते में ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।ग्रामीणों ने बताया कि शक्ति कश्यप की हाल ही में पीडब्ल्यूडी विभाग में चतुर्थ श्रेणी सरकारी नौकरी लगी थी। सचिन सैनी स्वामी रामदेव की कंपनी में काम करता था।

दोनों एक ही मोटरसाइकिल से अपने काम पर जा रहे थे। दोनों ही युवकों के दो-दो बच्चे हैं, जिसमें सचिन की पत्नी अभी प्रेग्नेंट है। प्रतिदिन रोड पर अवैध खनन के ओवरलोडिंग वाहन चल रहे हैं, जिनके कारण सड़कों पर बजरी बिखरी हुई है, जिसे आए दिन मोटरसाइकिल सवार फिसलकर घायल होते रहते हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी एक स्कूल मास्टर और दो बच्चों की टांडा भागमल और तीन की लक्सर में अवैध खनन के कारण क्षेत्र में मौत हो चुकी है, लेकिन अभी तक सरकार ने उससे कोई सबक नहीं लिया है।

टाटा एआईए ने वेंकटचलम एच को मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

देहरादून। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बोर्ड ने वेंकटचलम एच को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति आईआरडीएआई से नियामक अनुमोदन के अधीन है। वेंकटचलम एच वर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, नवीन ताहिलयानी का स्थान लेंगे, जो टाटा समूह में एक दूसरा पद संभालेंगे और उन्हें टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत किया गया है।

वेंकटचलम एच को सभी प्यार से वेंकी कहते हैं। जीवन बीमा, संपत्ति प्रबंधन और कस्टोडियल सेवाओं में 27 वर्षों से अधिक अनुभव के साथ वेंकी ने बिक्री और वितरण, रणनीति, व्यवसाय और प्रक्रिया विकास और मुख्य खाता प्रबंधन में विशेषज्ञता हासिल है। वह 2016 में टाटा एआईए में शामिल हुए और इसके पहले अध्यक्ष और मुख्य वितरण अधिकारी थे। वेंकी ने मार्केटिंग, स्ट्रैटेजी, विश्लेषण और प्रत्यक्ष डिजिटल व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में भी कई पहलों का नेतृत्व किया है।

दूरदर्शी नेता नविन ताहिलयानी टाटा एआईए को बाजार में अग्रणी और डिजिटल रूप से सक्षम मल्टी-चौनल व्यवसाय में बदलने का नेतृत्व कर रहे हैं। बाजार में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए 2018 और 2022 के बीच टाटा एआईए का वीओएनबी साढ़े तीन गुना बढ़ गया है। नवीन के नेतृत्व में, टाटा एआईए रिटेल के आधार पर नए व्यापार प्रीमियम पर नंबर 3 कंपनी बन गई है और निजी क्षेत्र के जीवन बीमाकताओं में रिटेल बीमा राशि में नंबर 1 स्थान पर है। टाटा एआईए ने किंसेंट्रिक बेस्ट एम्प्लॉयर का पुरस्कार लगातार सात बार जीता है।

हेल्थ प्लस

लाल अंगूर खाने से दिल की बिमारियाँ कम होती हैं

स्पेनिश वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि लाल अंगूर खाने से रक्तचाप कम होता है, कोलेस्ट्रोल घटता है और दिल की बिमारियाँ कम होती हैं।

मेड्रिड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपनी जाँच मे पाया कि लाल अंगूर के छिलके और अंदर के गुदे में मौजूद फाइबर से तथा एंडिओक्सिडा से दिल की बिमारियाँ कम हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने कुछ स्वयंसेवकों के उपर इसका शोध का परीक्षण किया। इस परीक्षण से पता चला कि इन स्वयंसेवकों के शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रोल 14 प्रतिशत तक कम हो गया।

इन वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें दिन में कम से कम 30 ग्राम लाल अंगूर खाना चाहिए। यह स्वास्थ्य वर्धक है और दिल की बिमारियों को होने से रोकता है।

गर्भावस्था के दौरान होने वाली तकलीफे

गर्भावस्था के दौरान महिलाएं विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक समस्याओं से गुजरती है। इन्हे दूर करने के लिए चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। गर्भावस्था को समान्यरूप से तीन चरणों में बाँटा जा सकता है। पहला चरण 1 से 12 सप्ताह का, दूसरा चरण 13 से 28 सप्ताह का तथा तीसरा चरण 29 से 40 सप्ताह का।

प्रथम चरण में होने वाली तकलीफे

- उबकाइयाँ आना, घबराहट होना, खाने में अरूची तथा उल्टियाँ होना।

- अतिशय उल्टियाँ होने के कारण निम्न हो सकते है : जुड़वाँ बालक होना, खून का ऊँचा दबाव, असामान्य गर्भ, पीलिया, एसिडिटी, मधुप्रमेह तथा मूत्र पिण्ड की कोई तकलीफ।
- योनिमार्ग से रक्तस्त्राव होना, यह लाल रंग का भी हो सकता है, तो गहरा कत्थई भी। इस स्थिति में गर्भ सुरक्षित हो सकता है, तो गर्भपात भी हो सकता है।

गर्भावस्था के दूसरे चरण में होने वाली तकलीफे

- डकारें आना, घबराहट होना, वायु तथा एसिडिटी बनना।
- गर्भावस्था के दौरान होने वाले अंत:स्त्राव के कारण कुछ जोड़ व स्नायु ढिले होते है, इसके कारण कमर दर्द, पैर खीचना, चलने में तथा करवट बदलने में तकलीफ होना।
- सरदर्द तथा कब्ज होना तथा मस्से से खून गिरना
- नींद न आना, विचारों का उमड़ना, चिड़चिड़ापन, मूड बदलना, याददाश्त कमजोर होना।
- स्तनों से चिकना द्रव्य निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उसके कारण दर्द होना।
- मुँह, योनि तथा बगल में संक्रमण लगना।

गर्भावस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफे

- नींद न आना। इसके कारणों में गर्भाशय का बढ़ना, डकारें, उबकाईयाँ, प्रसूति सम्बन्धी चिंताएं शामिल है।
- चमड़ी सम्बन्धी तकलीफे होना, गर्भाशय के बढ़ने से चमड़ी व स्नायु खींचते है जिससे पेट व स्तनो पर धारियाँ बन जाती है।
- खून का दबाव बढ़ना, पैरों में सूजन आना, पेशाब में प्रोटीन जाना वगैरे समस्याजनक हो सकते है।
- योनिमर्ग से द्रव्य गिरना। यह दुर्गंधयुक्त हो तो संक्रमण को दर्शाता है, अगर प्रवाही पतला पेशाब जैसा हो तो वह गर्भजल भी हो सकता है। चिकित्सक की सलाह लें।
- बालक असामान्य अवस्था में रहना। 36 – 37 सप्ताह तक बालक उल्टा नहीं होता है तथा टेढी मेढी अवस्था में रहता है तो शल्य-चिकित्सा द्वारा प्रसूति करवानी पड़ती है।

रसोई में छिपा सेहत का खजाना

गुणकारी हींग

- दिल से जुड़ी बीमारियों में आराम पाने के लिए चुटकी भर हींग 1 बड़े मुनक्के के साथ रोज सुबह खाएं। ह्रदय से जुड़ी बीमारियों में आराम मिलता है।
- पेट की गैस की समस्या होने पर पके केले में चुटकी भर हींग मिला कर खाएं।
- पेट में दर्द होने पर 1 कप गर्म पानी में 1 छोटा चम्मच हींग घोल लें और नरम कपड़े को उसमें भिगो कर पेट की सिंकाई करें।

अनार के छिलके

- आधा छोटा चम्मच दालचीनी और 2 छोटे चम्मच शहद 1 कप अनार के रस में मिला कर पीने से खून की कमी जाती रहती है।
- अनार के छिलकों को सुखा कर बारीक पीस लें। इस पाऊडर को गुनगुने सरसों के तेल में मिला कर छालों पर लगाने से राहत मिलती है।
- अनार के छिलकों को पीस कर उसका लेप लगाने से घाव जल्दी ठीक होता है।

स्वस्थ रहने के लिए टिप्स

स्वस्थ रहना सबको भता है पर स्वस्थ रहना आसान नहीं है। स्वस्थ रहना है तो इन्हें अपनाएं और स्वस्थ रहें।

- उम्र के अनुसार अन्न का सेवन करें-
- नाश्ता अवश्य करें पर ध्यान रखें कि नाश्ते में अन्न की मात्रा अधिक न लें।
- टी.वी. देखते और पढ़ते समय भोजन न करें। न ही बातें करते हुए भोजन करें।
- बीमार होने पर भोजन में संयम बरतें।
- लम्बी आयु पाने के लिए भूख से कम भोजन खाएं। एक ही समय में अधिक न खाएं।
- तीन बार मुख्य भोजन लें और दो बार हल्का नाश्ता लें।
- सुबह और रात के खाने में विभिन्नता रखें।
- बासी खाना न खाएं। थोड़ा खाएं पर ताजा खाएं।
- चाहे घर हो या बाहर, मर्यादा में रहकर खाएं।
- खाना खाते समय मन में किसी प्रकार के बुरे विचार न रखें। प्रसन्न मन से भोजन करें।
- एक ही समय अधिक चीजों का सेवन न करें। भोजन में तले हुए भोज्य पदार्थों का सेवन कम से कम करें।
- भोजन चबा-चबा कर खाएं। शीघ्र भोजन न खाएं, न ही अधिक चटखारे लेकर खाएं।
- भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

क्या दिन में आठ ग्लास पानी पीना आवश्यक है ?

कोई जरूरी नहीं कि हमें दिन में 8 ग्लास पानी पीना ही चाहिए

एक पुरानी मान्यता के अनुसार हमें दिन में आठ ग्लास पानी पीना चाहिए। इस बात पर अमूमन हर कोई यकीन करता है, लेकिन बहुत कम इसके पीछे कितनी सच्चाई है यह जानने की कोशिश करते हैं।

यकीकत यह कि यह कोई जरूरी नहीं कि हमें दिन में 8 ग्लास पानी पीना ही चाहिए। शरीर के लिए पानी बहुत आवश्यक होता है यह सच है। लेकिन शरीर पानी की जरूरत को कई अन्य स्रोतों से भी पूरा करता है। जैसे कि फल, सब्जी, वातावरण, चाय अथवा कॉफी इत्यादि।

तो शरीर को नमी प्रदान करने के लिए पानी पीना ही एकमात्र विकल्प नहीं होता है। इसके अलावा पानी की जरूरत मौसम के हिसाब से बदलती भी है। बरसाती माहौल में आप कम पानी पीते है, क्योंकि वातावरण मे मौजूद नमी बाकी की जरूरत को पूरा कर देती है।

तो आपको पानी कब पीना चाहिए ? जाहिर है, जब प्यास लगी हो। इसके अलावा अपने मूत्र के रंग को भी ध्यान मे रख सकते हैं। सामान्य स्थिति मे यह सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। गहरा पीला हो रहा है तो इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि आप कम पानी पी रहे हों।

नजला-जुकाम के उपचार

सर्दी लग जाने, शरीर में बने मल, मूत्र, पसीना, कफ आदि की सफाई न हो सकने, किसी चिंता में रहने धूल-मिट्टी में जाने, अधिक शराब आदि पीने, कब्ज के ठीक न होने, गलत खान-पान से, पानी में भीग जाने आदि से जुकाम हो जाता है।

घरेलू उपचार- नजला या जुकाम को साधारण रोग तो मानते हैं मगर जब यह बार-बार होने लगता है, बिगड़ जाता है तो सांस के रोग, दमा आदि का जन्मदाता भी बन जाता है। टी.बी. जैसे रोग का भी कारण बनता है अत: उपचार जरूरी है।

सावधानियां- 1. रात को देर तक नहीं जागें। प्रात: जल्दी बिस्तर त्यागें।

2. कब्ज की शिकायत न होने दें। अधिक तरल खाएं।

3. एकदम सर्दी में न निकलें। गर्म-सर्द न हों।

4. पूरा आराम किया करें। हर समय की भाग-दौड़ बंद करें।

5. भारी, तला हुआ तेल व मसालों वाले भोजन न खाएं।

उपचार- निम्नलिखित कुछ उपचार करें-

कपूर की पोटली- यदि नजला जुकाम का रोगी कपूर की पोटली दिन में कई बार सूंघ ले तो आराम मिलेगा।

लौंग का तेल- इस रोग को शांत करने के लिए लौंग का तेल सूंघें अथवा दो-तीन बूंदें नाक में डालें।

दूध व हल्दी- एक गिलास दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाएं। इसे अच्छी प्रकार उबालें व रोगी को पिलाएं। कुछ दिन नियमित पिलाते रहें।

काढ़ा तैयार करें- ग्रीन टी 2 चम्मच, 7 दाने काली मिर्च, 11 पत्तियां तुलसी की, दो लौंग, अंदाज से दाल चीनी तथा तेजपत्ता इन सबको एक गिलास पानी में खूब उबालें। जब एक चौथाई रह जाए तो उतार लें।

एक गिलास दूध में इस काढ़े का एक तिहाई डालें, फिर उबालें। रोगी इसे गर्म चाय की तरह पीता जाए। इसमें जरूरत के अनुसार शक्कर भी डाल लें।

बादाम तथा मुनक्के- रात को एक गिलास पानी में चार गिरी-बादाम, 11 मुनक्के डालें। रात भर पड़ा रहने दें। प्रात: इन बादामों व मुनक्के को पिसी काली मिर्च के साथ रोगी खा ले। पांच दिनों तक बिना नागा इसे खाएं, आराम रहेगा।

काली मिर्च- नजला-जुकाम से बचने या इसे ठीक करने के लिए काली मिर्च के पांच दाने गर्म पानी के साथ चबा कर निगल जाएं।

अजवायन- अजवायन को तवे पर भूनें। पोटली बनाकर सूंघें। काफी आराम मिलेगा। चार दिन लगातार इस उपचार को करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जाग्रत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
परिजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पूर्व निर्धारित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेंगे। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। प्राकृत्य में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी की हानि पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का सुखामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। प्राकृत्य में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1994

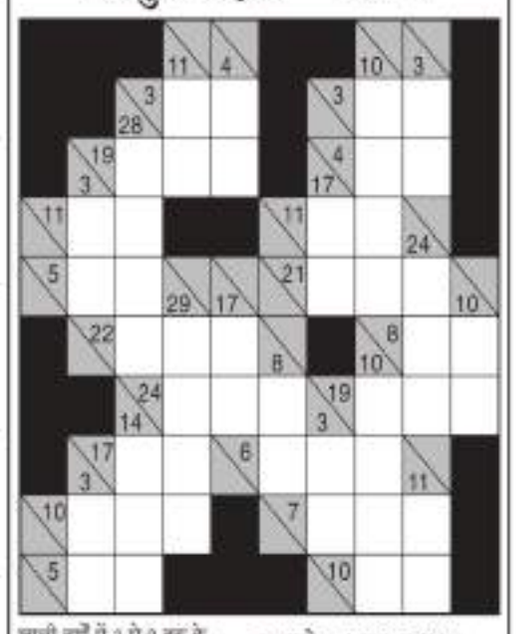

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1993 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मैं क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैंतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1994

बायें से दायें:-

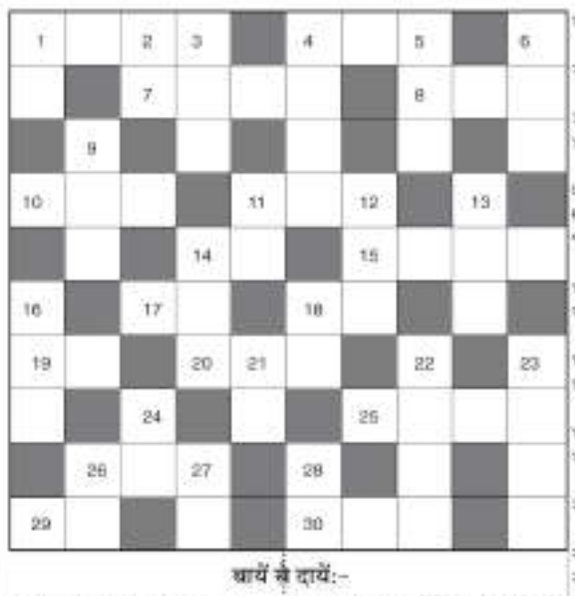

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'आये रे यारी सोंचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'सड़े की छत थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोनी की 'दिल मेरा चाहे' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे ख्यालों की मलिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रेखा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, शायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दर्पणवाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, तब्बू की फिल्म-२
२. कादरखान, मनीषा सत्यनारायण की 'मधु मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदले है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अभिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'पापा ओ पापा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मैरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, सायरा की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२५. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1993

सूडोकू -1994

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्गों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू -1993 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 1994

बाएं से दाएं

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,सुख-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत काटने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.नूर-नूर,कला-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त,मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेंहदी-2
30.शौर्य,पराक्रम-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.बुद्धिवाद,वैरवी-3
35.टब,प्याला,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.पत्ता,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 1993 का हल

नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े जोश के साथ उतरेगी भारतीय टीम

राउरकेला. एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम बुधवार को वहां नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 2-2 (4-2) की रोमांचक जीत हासिल की। इसके बाद, भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने आयरलैंड पर 1-0 की जीत के साथ वापसी की और भुवनेश्वर चरण का समापन शानदार तरीके से किया।

राउरकेला चरण में आगे बढ़ते हुए भारत ने एक करीबी मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 2-2 (8-7) शूटआउट जीत हासिल करके लय को बरकरार रखा है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रो लीग के रिवर्स लेग में भारत अपने अगले मैच में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पिछले दो मुकाबलों में नीदरलैंड के खिलाफ विजयी रही है।

भारत की पिछली जीत 11 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के दौरान हुई। उस मैच में 1-2 से पिछड़ने के बावजूद भारतीय टीम ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और आखिरकार शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल की।

नीदरलैंड के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर भारतीय टीम के मिडफील्डर, हार्दिक सिंह ने कहा, 'पहले हाफ में हमारा प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन हमने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और खेल को शूटआउट में धकेल दिया। हम उस समय से अपनी संभावनाओं को लेकर आश्वस्त थे, खासकर यह देखते हुए कि हमारे पास वास्तव में अच्छे गोलकीपर हैं। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हम बैक-टू-बैक इवेंट्स में प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे कैंप में आत्मविश्वास काफी ऊंचा है और मुझे यकीन है कि हम इस गति को टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखेंगे। भारत 21 फरवरी को 1930 बजे नीदरलैंड से भिड़ेगा।

बॉल बॉय से लेकर पंजाब किंग्स में शामिल होने तक, ऐसा रहा है आशुतोष शर्मा का सफर

मोहाली . मुंबई में पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी शिविर के बाद नए खिलाड़ी आशुतोष शर्मा हाथ में फोन लेकर उत्साहित होकर बैठे थे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ के आने का इंतजार कर रहे थे। फ्रैंचाइजी के क्रिकेट विकास प्रमुख बांगड़ उस समय बहुत खुश हुए जब आशुतोष ने उनके साथ अपनी 12 साल पुरानी सेल्फी दिखाई। जब सेल्फी ली गई तब बांगड़ बंद ही चुकी कोच्चि फ्रैंचाइजी का हिस्सा थे। वहीं आशुतोष एक युवा बॉल बॉय थे। एक दशक से

भी अधिक समय के बाद 25 वर्षीय क्रिकेटर को अपने क्रिकेट आदर्शों में से एक से प्रशिक्षण लेने का मौका मिलेगा क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी संस्करण के लिए पंजाब फ्रैंचाइजी ने 20 लाख रुपए में खरीदा है।आशुतोष ने कहा, मुझे बांगड़ सर के साथ अपनी मुलाकात याद है। मैं उस समय 10-11 साल का था, और मैंने उनसे अपने बल्लेबाजी रुख पर सलाह देने के लिए कहा था। अब सपना पूरा हो गया है और मैं यहां पंजाब किंग्स में हूं और उसके अधीन कोचिंग प्राप्त करूंगा।मध्य प्रदेश के रतलाम शहर के रहने वाले आशुतोष ने छोटी उम्र में ही अपना क्रिकेट सफर शुरू कर दिया था। अपने गृहनगर में अवसरों की कमी के कारण जब वह 8 वर्ष के थे तो वह मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की आवासीय अकादमी में प्रशिक्षण लेने के लिए इंदौर चले गए। उन्होंने कहा, जब मैंने घर छोड़ा, तो मेरे पास पर्याप्त पैसे नहीं थे। मैं एक शिविर में जाता था और दोपहर के भोजन का खर्च उठाने के लिए मैंने मैचों में अंपायरिंग करना शुरू कर दिया। हमारा परिवार सीमित साधनों वाला था, और इतनी जल्दी सब कुछ अकेले करना कठिन था लेकिन मैंने कभी भी अपने संघर्षों का असर अपने परिवार पर नहीं पड़ने दिया क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि वे चिंतित हों।

IND vs ENG चौथे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह को कौन करेगा रिप्लेस?

केएल राहुल की वापसी से बदलेगी बैटिंग लाइनअप

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार 23 फरवरी से रांची में खेला जाना है। इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेज करने के लिए आराम दिया जा सकता है। भारत की रैंक टर्नर पिचों पर किसी को उम्मीद नहीं थी कि इस सीरीज में कोई तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा विकेट चटकाएगा, मगर बुमराह ने यह कारनामा कर हर किसी को हैरान कर दिया है। बूम-बूम ने दूसरे टेस्ट में 9 विकेट के साथ सीरीज के तीन मैचों में अभी तक सबसे अधिक 17 विकेट चटकाए हैं। वह इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले टॉप-5 गेंदबाजों में एकमात्र पेसर हैं।इस सीरीज में बुमराह ने कुल 80.5 ओवर गेंदबाजी की है जो आर अश्विन (93) के बाद किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा फेंके गए सबसे अधिक ओवर हैं। बुमराह लगातार तीन मैचों में काफी गेंदबाजी कर चुके हैं ऐसे में उन्हें आराम की सख्त जरूरत है। भारत वैसे भी सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा

है, अगर रांची टेस्ट में टीम इंडिया हारती भी है तो धर्मशाला में खेले जाने वाले आखिरी मुकाबले में उनके पास सीरीज पर कब्जा जमाने का मौका होगा, बुमराह रांची में आराम लेकर धर्मशाला में वापसी कर सकते हैं।ऐसे में अब सवाल यह उठता है कि अगर जसप्रीत बुमराह को टीम मैनेजमेंट आराम देता है तो उन्हें रिप्लेस कौन करेगा। बुमराह को आराम मिलने पर तेज बॉलिंग यूनिट की अगुवाई मोहम्मद सिराज करेंगे, ऐसे में दूसरे पेसर की भूमिका मुकेश कुमार या आकाशदीप निभा सकते हैं।

मुकेश कुमार को मोहम्मद सिराज की गैरमौजूदगी में दूसरे टेस्ट में खेलने का मौका मिला था, मगर वह उस मुकाबले में परफॉर्म नहीं कर पाए थे। दूसरे टेस्ट में उनकी खराब परफॉर्मेंस के बाद मुकेश को टीम से रिलीज कर दिया गया था। ऐसे में इस तेज गेंदबाज ने अपनी प्रतिभा का जौहर रणजी ट्रॉफी में बिहार के खिलाफ दिखाया और एक 6 विकेट हॉल के साथ करियर बेस्ट परफॉर्मेंस देते हुए मुकाबले में 10 विकेट चटकाए। ऐसे में टीम मैनेजमेंट मुकेश कुमार को वापस टीम में शामिल कर सकती है।इसके अलावा एक अन्य विकल्प आकाशदीप सिंह होंगे। अगर टीम मैनेजमेंट इस खिलाड़ी को मौका देती है तो यह एक बड़ा फैसला होगा। आकाशदीप ने अभी तक भारत के लिए किसी भी फॉर्मेट में कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि घरेलू क्रिकेट में उनका परफॉर्मेंस लाजवाब रहा है। हाल ही में इंडिया ए की ओर से खेलते हुए उन्होंने 2 मैचों में 11 विकेट चटकाए थे।

जायसवाल पर बेन डकेट की टिप्पणी से भड़के नासिर हुसैन, कहा- उसने आपसे कुछ नहीं सीखा

राजकोट (गुजरात). इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आक्रामक बल्लेबाजी पर बेन डकेट की टिप्पणियों पर जोरदार प्रतिक्रिया दी है। डकेट ने जोर देकर कहा कि इंग्लैंड के बहुचर्चित बैजबॉल दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप जायसवाल ने क्रिकेट की आक्रामक शैली खेली।

तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के खेल के बाद जायसवाल के प्रयास के बारे में बात करते हुए डकेट ने कहा, जब आप विपक्षी खिलाड़ियों को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो लगभग ऐसा लगता है कि हमें कुछ श्रेय लेना चाहिए कि वे अन्य लोगों के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके से अलग खेल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज की राय इंग्लैंड के पूर्व कप्तान हुसैन को पसंद नहीं आई, जिन्होंने डकेट को फटकार लगाई और इंग्लैंड के खिलाड़ियों से बैजबॉल का समर्थन करने के मामले में आत्म-चिंतन करने का आग्रह किया। हुसैन ने कहा, उसने आपसे नहीं सीखा है। उसने अपने पालन-पोषण से सीखा है, बड़े होने में उसे जो कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।

धोनी से पूछुंगा, जब कोहली-रोहित भी रन नहीं बना रहे थे तो मुझे क्यों ड्रॉप किया...रिटायरमेंट के बाद छलका मनोज तिवारी का दर्द

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाने हर एक घरेलू खिलाड़ी का सपना होता है, वह युवा अवस्था से ही इसके लिए जीतोड़ मेहनत करता है। ऐसा नहीं है कि एक बार टीम इंडिया में जगह मिल जाए तो खिलाड़ी सुरक्षित हो जाता है। उसे टीम इंडिया में बने रहने के लिए लगातार परफॉर्म करना होता है, यह टीम में जगह बनाने से भी मुश्किल चुनौती होती है। ऐसी ही कुछ कहानी पूर्व भारतीय खिलाड़ी मनोज तिवारी की है। तिवारी ने

2008 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था, मगर वह लंबे समय तक नीली जर्सी में नहीं खेल पाए। हैरानी की बात तो यह है कि उन्हें शतक लगाने के बावजूद टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। अब रिटायरमेंट के बाद इस खिलाड़ी का दर्द छलका है।

तिवारी ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में बिहार के खिलाफ अपना आखिरी मुकाबला खेलकर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने अपने करियर का सबसे बड़ा अफसोस दुनिया के साथ शेयर किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को भी लपेटे में लिया।

भारत से सीखो टेस्ट मैच कैसे जीते जाते हैं....माइकल वॉन के बाद नासिर हुसैन इंग्लैंड पर बरसे

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने राजकोट टेस्ट के दौरान यशस्वी जायसवाल की आतिशी बल्लेबाजी का श्रेय मांगा था। उनका कहना था कि बैजबॉल की वजह से ही विपक्षी टीम इतने आक्रामक रवैये से बल्लेबाजी कर रही है, इस वजह से उनकी टीम को इस बात का क्रेडिट मिलना चाहिए। हालांकि उनके इस बयान से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्यादा सहमत नहीं दिखे। माइकल वॉन के बाद अब नासिर हुसैन ने इस बयान पर अपनी टीम को घेरा है और कहा है कि इंग्लैंड के यह कहने के बजाय कि भारत ने उनसे सीखा है, वे उनसे सीख सकते हैं कि टेस्ट मैच कैसे जीते जाते हैं।

क्रेलीमेल.को.यूके के अनुसार जब नासिर हुसैन से सवाल किया गया कि वह यशस्वी जयसवाल की आतिशबाजी से आप कितने रोमांचित हुए और सरफराज खान भी अपने डेब्यू पर चमके।इसके जवाब में पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा, बिल्कुल शानदार। कुछ हफ्ते पहले भारत शायद विराट कोहली और केएल राहुल के बिना कमजोर दिख रहा था लेकिन इससे उनकी बल्लेबाजी में गहराई का पता चलता है। जयसवाल एक शानदार कहानी है। मैं मुंबई के उन मैदानों में घूमा हूं और वहां की प्रतिभा देखी है। यहीं से उन्होंने शुरुआत की और भूख और इच्छा के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। उनमें भी बड़े रनों की भूख है।उन्होंने बेन डकेट के बयान पर कहा, «इंग्लैंड के यह कहने के बजाय कि भारत ने उनसे सीखा है, वे उनसे सीख सकते हैं कि टेस्ट मैच कैसे जीते जाते हैं। सरफराज भी बहुत प्रभावशाली थे। यह कोई न्यूजफ्लैश नहीं है...भारत ने बेहतरीन बल्लेबाज पैदा किए हैं।

वानिंदु हसरंगा ने T20I में तोड़ा लासिथ मलिंगा का रिकॉर्ड, बने ऐसा करने वाले नंबर-1 श्रीलंकाई खिलाड़ी

नई दिल्ली.एजेंसी

श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच सोमवार, 20 फरवरी को तीन T20I मैच की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। इस मैच को जीतकर मेजबान टीम ने सीरीज में तो 2-0 की अजेय बढ़त बनाई ही, साथ ही कप्तान वानिंदु हसरंगा ने भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। अफगानिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में हसरंगा ने 2 विकेट चटकाए। इन दो विकेटों के साथ उन्होंने अपने T20I करियर में विकेटों का शतक पूरा किया। इसी के साथ वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए है, उन्होंने लीजेंड लासिथ मलिंगा का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है।

श्रीलंकाई कप्तान ने अपने 63वें मैच में 100वां विकेट लेकर मलिंगा को भी पीछे छोड़

दिया। हसरंगा अब अफगानिस्तान के राशिद खान के बाद 100 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सिर्फ 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। श्रीलंका के दिग्गज मलिंगा ने 76 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

T20I क्रिकेट के इतिहास में केवल 11 खिलाड़ी ऐसे हैं जो 100 या उससे अधिक विकेट ले पाए हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड के टिम साउदी शीर्ष पर हैं जिनके नाम 122 मैचों में 157 विकेट हैं।

बात श्रीलंका वर्सेस अफगानिस्तान दूसरे T20I की करें तो, मेजबानों ने सोमवार को दूसरे टी20 में अफगानिस्तान को 72 रन से धूल चटाई।

श्रीलंका ने दांबुला के मैदान पर 187/6 का स्कोर खड़ा किया और अफगानिस्तान को 17 ओवर में 115 रन पर ढेर कर दिया। श्रीलंका ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने अफगानिस्तान की खटिया खड़ी कर दी।

मनोज तिवारी को रणजी ट्रॉफी की आलोचना करना पड़ा भारी, बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

मनोज तिवारी ने हाल ही में खुलासा किया है कि रणजी ट्रॉफी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए बीसीसीआई ने उन पर जुर्माना ठोका है। तिवारी ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी में काफी कुछ गलत हो रहा है, अगले सीजन से इसको कैल

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के एक दिन बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने खुलासा किया है कि रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के चलते उन पर बीसीसीआई ने जुर्माना ठोका था। तिवारी ने बिहार के खिलाफ अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मुकाबला खेला।

बीसीसीआई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के लिए उन पर रणजी ट्रॉफी मैच फीस का 20त्न जुर्माना लगाया गया था। तिवारी ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि रणजी ट्रॉफी में काफी कुछ गलत हो रहा है, अगले सीजन से इसको कैलेंडर से हटा देना चाहिए। बीसीसीआई ने उनके इस पोस्ट पर एक्शन लेते हुए यह जुर्माना ठोका है।

मनोज तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम पर रणजी ट्रॉफी की फोटो शेयर करते हुए लिखा था, अगले सीजन से रणजी ट्रॉफी को कैलेंडर से हटा देना चाहिए। टूर्नामेंट में कई चीजें गलत हो रही हैं। समृद्ध इतिहास वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को बचाने के लिए कई चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। यह अपना आकर्षण और महत्व खोता जा रहा है। बहुत ही निराश हूं।

बीसीसीआई ने हाल ही में केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों से कहा था कि अगर वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयन करना चाहते हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। यह आदेश संभवत इशान किशन के रणजी ट्रॉफी खेलने से इनकार करने के कारण आया है, हालांकि वह कथित तौर पर फिट हैं और राष्ट्रीय ड्यूटी पर नहीं हैं।कोलकाता में अपने सम्मान समारोह के दौरान तिवारी ने कहा, मुझे लगता है कि अगर मैंने इसे एक्स पर पोस्ट नहीं किया होता तो बीसीसीआई द्वारा जारी निर्देश नहीं दिया गया होता। शायद मेरी पोस्ट ने बीसीसीआई सचिव को खिलाड़ियों पर दबाव डालने के लिए प्रेरित किया।

रोहित शर्मा के टी20 वर्ल्ड कप 2024 के कप्तान बनने पर बोले सौरव गांगुली, जिस तरह से उन्होंने...

रोहित शर्मा ने 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद लंबे समय तक कोई टी20 मैच नहीं खेला था। वह इस साल जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में बतौर कप्तानी इस फॉर्मेट में वापसी करते हुए नजर आए थे।

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए रोहित शर्मा को कप्तान चुना था। उन्होंने इस मेगा टूर्नामेंट में उप-कप्तानी की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या को सौंपी है। रोहित को टीम का कप्तान बनाए जाने पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई है। अब इस कड़ी में भारतीय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपनी राय दी है। दादा ने बीसीसीआई के इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा है कि हिटमैन कप्तानी के सही विकल्प हैं।

बता दें, रोहित शर्मा ने 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद लंबे समय तक कोई टी20 मैच नहीं खेला था। वह इस साल जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में बतौर कप्तानी इस फॉर्मेट में वापसी करते हुए नजर आए थे। ऐसे में सवाल उठने लगे थे कि क्या हिटमैन टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे या नहीं।

गांगुली ने इस साल जून में टी20 विश्व कप के लिए रोहित शर्मा को कप्तान बनाने के चयन समिति के फैसले का समर्थन करते हुए मिड-डे से कहा, रोहित शर्मा टी20 विश्व कप के लिए भारत के कप्तान के रूप में सही विकल्प हैं। जिस तरह से उन्होंने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और 50 ओवर के वर्ल्ड कप में 10 मैच जीते, वह आज भी हमारी यादों में ताजा है।

इसलिए, रोहित सबसे अच्छा विकल्प हैं।वहीं इस दौरान उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच जारी 5 मैच की टेस्ट सीरीज पर पर बात की। इंग्लैंड ने सीरीज की शुरुआत तो जीत के साथ की थी, मगर पिछले दो टेस्ट में उन्हें हार का मुंह देखने को मिला है।

इंग्लिश टीम की इन हार के बाद बैजबॉल पर सवाल उठने लगे हैं।गांगुली ने इस पर कहा, बैजबॉल अच्छा है, लेकिन इंग्लैंड के लिए भारतीय परिस्थितियों में सफल होना मुश्किल है। अगर भारत सीरीज हार जाए तो मुझे हैरानी होगी। कृपया याद रखें कि भारत विराट [कोहली], केएल [राहुल] के बिना खेल रहा है। यह एक युवा टीम है जिसमें कई नए चेहरे हैं और फिर भी इंग्लैंड संघर्ष कर रहा है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 21 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

आदर्श रसोई सप्ताह 46वां

धूमधाम से मनाया गया आदर्श रसोई के संस्थापक सुरेंद्र चोपड़ा का जन्मदिन

रिबन काटकर सुरेंद्र चोपड़ा ने किया आदर्श रसोई का शुभारंभ, आदर्श रसोई है मेरा परिवारः सुरेंद्र चोपड़ा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सबसे व्यस्ततम चौक यानी 'राकेश भारद्वाज चौक' पर आदर्श रसोई के संस्थापक सुरेंद्र चोपड़ा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान आदर्श रसोई के सदस्यों और पदाधिकारियों का उत्साह देखते ही बनता था।

रिबन काटकर सुरेंद्र चोपड़ा ने किया आदर्श रसोई का शुभारंभ

इस बार आदर्श रसोई की नींव रखने वाले सुरेंद्र चोपड़ा का जन्मदिन पूरी रसोई की टीम ने बड़ी ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से सुरेंद्र चोपड़ा ने रिबन काटकर किया। इसके उपरांत श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

सुरेंद्र चोपड़ा का हुआ भव्य स्वागत

मृदभाषी, मिलनसार और सबके चहेते सुरेंद्र चोपड़ा का आदर्श रसोई के पदाधिकारियों ने मालाओं और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। इस मौके पर राकेश भारद्वाज चौक पर लोगों का उत्साह अपने चरम पर था। सुरेंद्र चोपड़ा जी के व्यक्तित्व के सभी कायल हैं।

मेरा परिवार है आदर्श रसोई : सुरेंद्र चोपड़ा

इस विशेष मौके पर सुरेंद्र चोपड़ा ने कहा कि श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी और मैंने आदर्श रसोई की नींव रखीं थी। आज राकेश भारद्वाज जी हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके द्वारा बनाया गया आदर्श रसोई रूपी ये परिवार बहुत मजबूत है। उनके विचार आज भी हम सभी को मार्गदर्शन करते हैं। सभी एकजुटता के साथ इस रसोई के माध्यम से सेवा परमोधर्म का कार्य कर रहे हैं। आज आदर्श रसोई के पदाधिकारियों और सभी सम्मानीय सदस्यों के अतुल्यनीय योगदान के कारण ही आदर्श रसोई वटवृक्ष का रूप ले चुकी है।

श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के दिखाए हुए पदचिन्हों पर चल रही आदर्श रसोई : सुरेंद्र चोपड़ा

आदर्श रसोई के संस्थापक और प्रधान सुरेंद्र चोपड़ा ने कहा कि एक सोच ही है जो परिवर्तन लाती है। आदर्श रसोई की शुरूआत के समय किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि हमारा सफर ऐसा और इतना अच्छा चलेगा। देखते ही देखते आदर्श रसोई ने कई आयाम स्थापित कर लिए हैं। समाज का भी हमे भरपूर सहयोग मिला है। मुझे खुशी है कि मैं भी पुण्य के कार्य में एक सहभागी हूँ। यह हम सबके लिए हर्ष की बात है कि आदर्श रसोई के सभी साथियों ने आदर्श रसोई को आगे बढ़ाने के लिए दिन रात मेहनत की है। आदर्श रसोई की सबसे अनूठी बात यह है कि यह समाजसेवा के साथ-साथ अपने पारंपरिक त्यौहारों, विशेष दिनों को भी बहुत ही उत्साहपूर्वक रूप से मनाती है, जोकि काबिलेतारीफ है।

आदर्श रसोई के अन्य सदस्यों ने भी रखे विचार

इस मौके पर आदर्श रसोई के संयोजक रवि भारद्वाज, उपप्रधान अमरजीत सिंह बंटी, संरक्षक सुभाष दीक्षित, ब्राह्मण सभा के प्रधान अरविंद शर्मा, महासचिव राकेश जुनेजा, पम्मी मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष संजय वर्मा सहित कई सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे।

यूपी में निवेश के माहौल को विदेशी उद्यमियों ने भी सराहा

लुलु समूह, शराफ ग्रुप, एयर लिक्विड, डोर्ना और ग्रीनको ग्रुप के प्रतिनिधियों ने यूपी में निवेश को लेकर व्यक्त किये अपने विचार

सराहना

- सुदृढ़ बुनियादी ढांचा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की सराहना उद्योग समूहों के दिग्गज भी कर रहे हैं

टीम एक्श इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रदेश में बेहतरीन संसाधन, सुदृढ़ बुनियादी ढांचा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की सराहना उद्योग समूहों के दिग्गज भी कर रहे हैं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के दूसरे दिन 'यूपी- भारत में विदेशी निवेश के लिए उभरता गंतव्य' कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। इस दौरान लुलु समूह के चेयरमैन एमए यूसुफ अली, शराफ ग्रुप के उपाध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) शराफुद्दीन शराफ, एयर लिक्विड के एमडी बेनोइट रेनार्ड, डोर्ना के सीईओ कामेलो एस्पेलेटा और ग्रीनको ग्रुप के प्रतिनिधि ने प्रदेश में निवेश के बेहतरीन माहौल की सराहना की। लुलु समूह के अध्यक्ष और एमडी एमए यूसुफ अली ने कहा कि विदेशी निवेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों में निवेश की बेहतरीन संभावनाएं हैं। निवेशक निवेश से पहले चार चीजें देखते हैंः दूरदर्शी नेतृत्व, संसाधन, अच्छा बुनियादी ढांचा और व्यापार करने में आसानी। ये सारी चीजें हमारे पास भारत और उत्तर प्रदेश में हैं। ानिवृत्त) शराफुद्दीन शराफ ने कहा कि एक आदमी, एक परिवार, एक समाज अपना पैसा वहीं निवेश करना चाहता है जहां वे पूरी तरह संतुष्ट हो और आश्वस्त हो कि उसका निवेश उत्पादक होगा। भारत और यूपी के साथ हमारा रिश्ता मील का पत्थर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के साथ परिवार की तरह व्यवहार करते हैं। एयर लिक्विड के एमडी बेनोइट रेनार्ड ने कहा कि जब भी आवश्यकता हुई, हमें उत्तर प्रदेश और भारत में निवेश के अपने निर्णय के लिए व्यापक समर्थन मिला है।

एयर लिक्विड समूह की ओर से, मैं आने वाले वर्षों में भारत में प्रगतिशील निवेश के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त करना चाहता हूं। डोर्ना के सीईओ कामेलो एस्पेलेटा ने मोटोजीपी भारत जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए यूपी सरकार द्वारा प्रदान किए गए अवसर की सराहना की। उन्होंने बताया कि मोटोजीपी ने 12,000 रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

आयु सीमा में छूटः यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड से जवाब तलब

प्रयागराजः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए भर्ती-2023 में आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट के मामले में राज्य सरकार व यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड से जवाब मांगा है। पुलिस भर्ती बोर्ड ने 930 कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने प्रेमधन कुमार व अन्य की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती की आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी है। पुलिस कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड ए की भर्ती सात वर्ष बाद आई है।

'नोएडा के मॉडल पर बुन्देलखंड का होगा औद्योगिक विकास'

टीम एक्शन इंडिया/कानपुर

सरकार जेवर हवाई अड्डे के पास के क्षेत्र को विकसित करने के साथ-साथ बुन्देलखण्ड क्षेत्र को नोएडा के मॉडल पर यूपी बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण विकसित करने की एक प्रमुख योजना पर भी काम कर रही है। यह बात मंगलवार को आईआईटी कानपुर में महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि उप्र के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि नोएडा में आरओसी की स्थापना के लिए विभिन्न क्षेत्रों से आए अनुरोध को सरकार द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संबोधित किया जाएगा। सरकार उत्तर प्रदेश में 21 हवाई अड्डों और 12 नए विश्वविद्यालयों को चालू करने के लिए भी काम कर रही है।उत्तर प्रदेश की प्रतिभा के रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहित करने के लिए यह उपाय किये जा रहे हैं। एआईएफ और स्टार्टअप्स के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक समर्पित सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की तर्ज पर उप्र में शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक एसपी सिंह ने कहा राज्य में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय नीतियों और समर्थन उपायों की सराहना की। राज्य में स्थापित इनक्यूबेशन प्लेटफॉर्म और उत्कृष्टता केंद्र नवोन्मेषी स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हैं। सिडबी, यूपी आईटी और स्टार्टअप नीति 2017 के तहत स्थापित 1000 करोड़ के यूपी स्टार्टअप फंड के माध्यम से और अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए तैयार है।

प्रमुख योजना

- यूपी बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण विकसित करने की एक प्रमुख योजना पर भी काम कर रही है।

कोर्ट के आदेश पर ईडी ने की तीन जगहों पर छापेमारी

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक जूट मिल के मालिक द्वारा भविष्य निधि (पीएफ) के गबन के मामले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि छामेमारी की कार्रवाई कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली की एकल-न्यायाधीश पीठ के आदेश के बाद की जा रही है। मंगलवार सुबह से कोलकाता के सांकराइल में जूट मिल परिसर, दक्षिण कोलकाता के बालीगंज में जूट मिल मालिक के आवास और मध्य कोलकाता के डलहौजी में इकाई के कॉर्पोरेट कार्यालय में एक साथ छापेमारी की गई है। इस विशेष मामले में भविष्य निधि गबन की कुल राशि 20 करोड़ रुपये है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के एक वर्ग द्वारा कलकत्ता उच्च न्यायालय में जूट मिल के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें सेवानिवृत्ति का लाभ नहीं मिला, जबकि सेवा में रहने के दौरान उनकी अंशदायी राशि उनके वेतन से नियमित रूप से काटी जाती थी। आखिरकार, न्यायमूर्ति गांगुली ने ईडी को मामले की जांच करने का निर्देश दिया था। गत आठ फरवरी को मामले की सुनवाई हुई थी जिस दिन जूट मील के तीन निदेशकों को रात 10:00 तक कोर्ट में हाजिर होकर पक्ष रखना पड़ा था।

कार्रवाई

- छामेमारी की कार्रवाई न्यायमूर्ति की एकल-न्यायाधीश पीठ के आदेश के बाद की जा रही

रांची में खालिस्तानी आतंकी पन्नू के खिलाफ मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/रांची

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तानी आतंकवादी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के अध्यक्ष गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने राजधानी रांची में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले टेस्ट मैच को लेकर धमकी दी थी। उसने सोशल मीडिया के माध्यम से इस मैच को रद्द कराने के लिए भारत में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादियों से आह्वान किया है। रांची के जेएससीए स्टेडियम में 23 से 27 फरवरी के बीच भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले टेस्ट मैच को रद्द कराने के लिए सिख फॉर जस्टिस ने धमकी दी है। साथ ही आह्वान किया है कि झारखंड और पंजाब में बवंडर पैदा करो तथा भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टाक को मैच नहीं खेलने दो। उसने इंग्लैंड टीम को वापस इंग्लैंड जाने के लिए धमकाया है। मामले को लेकर एसआई मदन कुमार महतो के बयान पर धुर्वा थाने में (कांड संख्या 69/2024) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत में दहशत फैलाने के उद्देश्य तथा आदिवासियों के मन में सरकार के प्रति घृणा और अवमान पैदा करने का प्रयास किया है, जो यूएपी अधिनियम, आईटी अधिनियम के तहत एक दंडनीय अपराध है। साथ ही दो मित्र देशों के बीच खेल संबंधों को बिगाड़ने तथा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के माध्यम से खेल में बवंडर मचाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो जारी करने के कारण क्षेत्र के लोगों में दहशत पैदा हो गया है। सिख फॉर जस्टिस के गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने माओवादियों से यह भी आह्वान किया है कि आदिवासियों की जमीन में क्रिकेट नहीं होने देना है। अमृतसर का रहने वाला गुरपतवंत पन्नू पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई की है।

अमृतकाल किसी भी समाज की उन्नति के लिए धर्म का पालन बहुत आवश्यकः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए रामराज्य के आदर्श सर्वथा उपयुक्त'

टीम एक्शन इंडिया/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि अमृतकाल में भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए राम राज्य की सोच और आदर्श पर चलना ही सबसे उपयुक्त है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में अमृत काल के लक्ष्य प्राप्त करने में लोक प्रशासन की भूमिका विषय पर स्वामी गोविन्द देव गिरि जी महाराज के व्याख्यान के अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं लोकसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति के लिए धर्म का पालन

बहुत आवश्यक है। सही मार्ग पर चलना, राष्ट्रहित तथा हर व्यक्ति को न्याय मिले यह सब धर्म की अवधारणा में निहित है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में धर्म और मयार्दा के पालन का आदर्श समाज के सामने प्रस्तुत किया। भगवान राम के आदर्शों पर आधारित रामराज्य की अवधारणा में सभी के कल्याण का भाव निहित है। शर्मा ने कहा कि लोक सेवकों को देश एवं प्रदेश की प्राथमिकताओं के अनुसार नीतियां बनानी चाहिए तथा उन नीतियों में नवीनतम तकनीक और नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू करना चाहिए। साथ ही, उन्हें सुशासन के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और सर्विस डिलिवरी पर फोकस रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकसेवकों को अपनी भूमिका निष्ठा से निभानी होगी, जिससे आमजन का सुशासन के प्रति विश्वास बना रहें तथा विकसित भारत के निर्माण में सभी अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का राम मंदिर वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र है। इस मंदिर के निर्माण में श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष के रूप में स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज के योगदान को कोई नहीं भुला सकता। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों सालों से चलती आ रही हमारे देश की महान संस्कृति और परम्परा को आगे बढ़ाया है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानती है।

सेवक की तरह काम करने से ही शासक की शोभा- स्वामी गोविन्द देव गिरि महाराजः कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित करते हुए स्वामी गोविन्द देव गिरि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की संकल्पना हम सबके सामने रखी, जिसमें उन्होंने नारी, किसान, युवा एवं गरीब चार वर्गों के उत्थान पर विशेष जोर दिया है।

राज्यों की विविधता भारत की ताकत और विशेषता है : राज्यपाल

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

राजभवन में मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दोनों राज्यों के उत्तराखंड में रह रहे छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर राज्यपाल ने कहा कि राज्यों की विविधता भारत की ताकत हैं और तमाम विविधताओं के बावजूद भी हम सब एक हैं, यही भारत की विशेषता है। इस मौके पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उपस्थित सभी लोगों को पूरे प्रदेश की ओर से स्थापना दिवस की बधाई दी।